राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 26 मार्च 2022 वर्ष–4,अंक–59 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हर दिन एक नई पेनड्राइव ला रही है भाजपा क्या इसकी फैक्ट्री लगा रखी है: संजय राउत

नई दिल्ली । शिवसेना सांसद संजय राउत ने भाजपा और केंद्र की जांच एजेंसियों के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र का विपक्षी दल और केंद्र की जांच एजेंसी की मिली भगत है। पश्चिम बंगाल में यही हो रहा है, यहां भी यही हो रहा है और आप देखिए कि थोड़े दिनों में तमिलनाडु भी ये लोग जाने वाले हैं। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की ओर से विधानसभा अध्यक्ष को पेनड्राइव देने पर भी राउत ने तंज कसा। शिवसेना नेता कहा कि क्या है यह पेनड्राइव, रोज नया पेनड्राइव सामने आ रहा है क्या उनकी फैक्ट्री है? राउत ने कहा कि आपकी (भाजपा की) 100 पेनड्राइव पर हमारा एक कवर ड्राइव भारी पड़ेगा। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाविकास आघाडी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के 21 मामले गिनाए। उन्होंने सरकार को महाविनाश आघाडी और मद्य बिक्री आघाडी करार दिया। फडणवीस ने कहा कि बीएमसी की स्थायी समिति अध्यक्ष के पास अब तक 300 करोड़ रुपए तक की संपत्ति मिली है और यह संपत्तियां उन्होंने उस वक्त बनाईं जब राज्य में और मुंबई में लोग कोरोना महामारी से मर रहे थे। फडणवीस ने कहा कि मेरे पास एक पेन ड्राइव है, लेकिन इसका फॉरेंसिक ऑडिट अभी तक नहीं हुई है। इसलिए मैं अभी किसी को दोष नहीं दे रहा हूं। इस पेन ड्राइव का बारामती के नेताओं से कोई लेना-देना नहीं है।

योगी की शपथ

गोरखपुर से काशी समेत यूपी के हजारों मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना

गोरखपुर ।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में पूर्ण बहुमत हासिल करने के बाद दोबारा सत्तासीन होने जा रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई सरकार का शपथ ग्रहण कुछ ही लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में और योगी आदित्यनाथ दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर से लेकर वाराणसी और प्रदेश के दूसरे मंदिरों में भाजपा समर्थक विशेष पूजा अर्चना कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ को गुरुवार को बतौर पर्यवेक्षक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सह पर्यवेक्षक झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की मौजूदगी में एक बार फिर सर्वसम्मति से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित विधायक दल का नेता चुन लिया गया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया है। प्रदेश भाजपा महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत देश भर के गणमान्य मेहमानों के अलावा 70 हजार कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। प्रदेश भर में मंदिरों में लोक कल्याण की कामना के साथ हवन पूजन करके कार्यकर्ता शपथ ग्रहण समारोह के लिए निकले हैं। उन्होंने बताया कि शपथ ग्रहण का यह आयोजन राज्य के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। जिलों से मिल रही खबरों के अनुसार शपथ ग्रहण से पहले शुकरवार की सुबह 8 से 9 बजे के बीच भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य भर के मंदिरों में जाकर लोक कल्याण के लिए पूजा अर्चना की। भाजपा के सांगठनिक 27 हजार शक्ति केंद्रों के स्तर पर कार्यकर्ताओं को पार्टी ने यह जिम्मेदारी सौंपी थी। गोरक्षपीठाधीश्वर, महंत योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ जी महाराज जी ने विशेष पूजा और आरती की। उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में आदित्यनाथ के वाराणसी से मिली खबर के मुताबिक योगी आदित्यनाथ सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने से पहले वाराणसी में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना कर सरकार के लिए ।

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल सीएम जयराम ठाकुर का ऐलान भिंडरावाले की तस्वीर लगे वाहनों की होगी नो एंट्री

नई दिल्ली । हिमाचल प्रदेश सरकार ने जरनैल सिंह भिंडरावाले की तस्वीर लगी गाड़ियों के राज्य में प्रवेश करने पर रोक लगा दी है। खालिस्तानी भिंडरावाले की तस्वीर वाले झंडे लगी गाड़ियां अब राज्य में एंट्री नहीं कर पाएंगी। इस फैसले के बारे में बोलते हुए राज्य के सीएम जयराम ठाकुर ने कहा कि इस तरह की तस्वीरों वाली गाड़ियों के राज्य में आने से अशांति फैल सकती है। हालांकि उन्होंने कहा कि साफ किया निशान साहिब को लेकर ऐसी कोई रोक नहीं है। निशान साहिब को सिख धर्म में पवित्र प्रतीक माना जाता है। हिमाचल सरकार के इस फैसले पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी ने ऐतराज जताया है और राज्य के सीएम जयराम ठाकुर को खत लिखा है। दरअसल पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश के ज्वालामुखी और मंडी में ऐसी कई गाड़ियां देखी गई थीं, जिनमें भिंडरावाले की तस्वीर लगी थी। इस पर स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई थी। इसके बाद हिमाचल सरकार की ओर से ऐसी गाड़ियों के राज्य में प्रवेश करने पर रोक लगाने का ऐलान किया गया। लेकिन इस फैसले को सिख संस्था एसजीपीसी ने गलत बताया है। एसजीपीसी की ओर से सीएम जयराम ठाकुर को लिखे गए खत में कहा गया है, मीडिया रिपोर्ट्स से हमें आपके उस बयान के बारे में पता चलता है, जिसमें आपने जरनैल सिंह भिंडरावाले की तस्वीरों वाली गाड़ियों के हिमाचल में रोक की बात कही है। हम एक राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर आपके ऐसे बयान पर आपत्ति जताते हैं।

एयरपोर्ट पर 80 साल की दिव्यांग महिला के साथ बदसलूकी

नई दिल्ली । नगालैंड की एक विकलांग महिला को एयरपोर्ट पर जांच के दौरान अपने अंडरगारमेंट उतारने पड़ गए। वह व्हीलचेयर पर सिक्यॉरिटी चेक के लिए पहुंची थी। सर्जरी के बाद लगी हिप प्लेट की वजह से सीआईएसएफ को शक होने लगा। इसके बाद सीआईएसएफ ने जांच के लिए कथित तौर पर महिला के अंडरगारमेंट उतरवा दिए। महिला की बेटी मानवशास्त्री डोली किकोन ने बाद में ट्वीट किया और कहा कि सीआईएसएफ की टीम ने महिला की केयरटेकर के साथ भी बदलसलूकी की। उन्होंने कहा कि केयरटेकर ने जब शिकायत करने की कोशिश की तो उसके साथ भी बदसलूकी की गई। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, बेहद शर्मनाक है कि मेरी 80 साल की मां के जबरदस्ती कपड़े उतरवाए गए। ऐसा क्यों हुआ? एयरपोर्ट अधइकारियों ने स्वीकार किया है कि सीआईएसफ के जवानों को संवदेनशील होना चाहिए था।

चीनी विदेश मंत्री से बोले, अजीत डोभाल- सीमा से हटाओ सेना, तभी आगे बढ़ेगी बात

नई दिल्ली । भारत के दौरे पर आए चीनी विदेश मंत्री वांग यी से भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से करीब एक घंटे बातचीत की है। इस बातचीत के दौरान भारत ने कहा है बॉर्डर क्षेत्र के बचे हुए इलाके में जल्द और पूरी तरह से सेना को हटाए जाने की जरूरत है ताकि द्विपक्षीय संबंध स्वाभाविक रास्ते पर आ सकें। उन्होंने कहा कि शांति की बहाली से आपसी विश्वास बनाने में मदद मिलेगी। सूत्रों के हवाले से बताया है कि भारत ने शांति की बहाली के लिए राजनयिक, सैन्य स्तर पर सकारात्मक बातचीत जारी रखने की आवश्यकता जताई है। अजित डोभाल ने वांग यी से कहा है कि सुनिश्चित किया जाए कि कार्रवाई समान और परस्पर सुरक्षा की भावना का उल्लंघन नहीं करती है। एक ही दिशा में काम करें और बकाया मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझाएं। 2020 की गर्मियों में गलवान घाटी में दोनों पक्षों के बीच संघर्ष के बाद से यह सर्वोच्च स्तर पर पहली बातचीत है। दोनों देशों ने गतिरोध को हल करने के लिए कई दौर की सीमा वार्ता की है।

बीरभूम हिंसा पर क्यों चुप हैं राहुल-प्रियंका और अखिलेश भाजपा सांसद ने उठाए सवाल

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी भाजपा के किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बलिया के सांसद वीरेन्द्र सिंह मस्त ने पश्चिम बंगाल के बीरभूम में लोगों को जिंदा जला देने की घटना पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार गुनहगारों की सरकार है तथा आने वाले समय में टीएमसी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। वीरेंद्र सिंह मस्त ने गुरुवार शाम को अपने आवास पर संवाददाताओं से बातचीत में पश्चिम बंगाल के बीरभूम में लोगों को जिंदा जला देने के घटना को मानवता के प्रति अपराध करार दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं की देश में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इस निर्मम घटना पर सेकुलर दलों के नेताओं की चुप्पी पर आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में छोटी-छोटी घटनाओं पर हाय तौबा मचाने वाली प्रियंका गांधी वाड्रा , भाजपा को बार-बार घेरने का प्रयास करने वाले राहुल गांधी एवं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव इस घटना पर क्यों चुप हैं, यह उन्हें जनता को बताना चाहिए। भाजपा सांसद ने ममता बनर्जी की सरकार को गुनहगारों की सरकार करार देते हुए कहा कि आने वाले समय में इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में रामपुरहाट के बोगतुई गांव में मंगलवार को तड़के करीब एक दर्जन मकानों में कथित तौर पर आग लगा देने से दो बच्चों समेत कुल आठ लोगों की जल जाने से मौत हो गयी।

पंजाब में विधायकों को अब सिर्फ एक टर्म मिलेगी पेंशन, पारिवारिक पेंशन भी कम होगी : मान

चंडीगढ़ ।

पंजाब में अपने फैसले को लेकर चरचा में आ रही भगवंत मान सरकार ने शुक्रवार को एक और महत्वपूर्ण निर्णय लेकर विधायकों की पेंशन पर कैंची चला दी है। जिससे विपक्षी नेताओं के लिए अजीब स्थिती पैदा हो गई है। वे न तो इस निर्णय को विरोध कर पा रहे हैं और न समर्थन। सरकार के इस निर्णय से करोडों रूपए का सरकार को लाभ होगा। सरकार के ताजा निर्णय की जानकारी शुक्रवार को अपने विडियो संदेश में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुद दी। पंजाब सरकार ने विधायकों की पेंशन को लेकर बड़ा फैसला लिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक वीडियो में जानकारी साझा की है कि पंजाब सरकार ने फैसला किया है कि विधायकों को सिर्फ एक टर्म पेंशन मिलेगी। भगवंत मान ने कहा कि अगर कोई विधायक कई बार जीत भी जाता है तो उसे सिर्फ एक टर्म पेंशन मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि विधायकों की पारिवारिक पेंशन भी कम की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे बचाए गए पैसे का इस्तेमाल पंजाब के लोगों के कल्याण के लिए किया जाएगा। शिरोमणि अकाली दल के संरक्षक प्रकाश सिंह बादल ने पूर्व विधायक के रूप में अपनी पेंशन पंजाब सरकार को सौंप दी है। पंजाब सरकार और विधानसभा अध्यक्ष को संबोधित एक ट्वीट में पंजाब के पांच बार के मुख्यमंत्री रह चुके शिरोमणि अकाली दल के मुखिया ने कहा कि एक पूर्व विधायक के रूप में उन्हें जो भी पेंशन मिलती है उसे जनकल्याण पर खर्च किया जाना चाहिए और किसी भी स्थिति में उन्हें नहीं भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में औपचारिक अनुरोध अलग से भेजा जा रहा है। वह पांच बार पंजाब के सीएम रहे हैं। मेरा पंजाब सरकार और माननीय अध्यक्ष महोदय से निवेदन है कि पूर्व विधायक के रूप माननीय अध्यक्ष महोदय से निवेदन है कि पूर्व विधायक के रूप में मुझे जो भी पेंशन मिलती है, कृपया उसका उपयोग पंजाब की जनता के हित में करें। यह किसी भी स्थिति में मुझे नहीं भेजा जाना चाहिए। लिखित में औपचारिक अनुरोध अलग से भेजा जा रहा है।

कश्मीर पर ओआईसी के बयान पर भारत बोला- पाकिस्तान के पिछलग्गू ना बने मुस्लिम देश

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ जहर उगलने में पाकिस्तान कोई मौका नहीं छोड़ना चाहता। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में आयोजित इस्लामिक सहयोग संगठन में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा जोर-शोर से उठाया गया। ओआईसी ने कश्मीर में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों का जिक्र करते हुए कहा कि कश्मीरियों को आत्मनिर्णय का अधिकार होना चाहिए। भारत ने ओआईसी के इस बयान की सख्त आलोचना करते हुए कहा कि ओआईसी का ये बयान झूठा और गलत है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर भारत का बयान साझा किया है। भारत की तरफ से बयान में कहा गया, बैठक में दिए गए बयान और अपनाए गए प्रस्ताव दिखाते हैं कि इस्लामिक सहयोग संगठन एक संस्था के रूप में कितना अप्रासंगिक है। इससे ये भी स्पष्ट होता है कि इसके जोड़तोड़ में पाकिस्तान की कितनी बड़ी भूमिका है। बयान में आगे कहा गया, ओआईसी में भारत का जिक्र गया है जो झूठ और गलत बयानी पर आधारित है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के अधिकारों का बारंबार उल्लंघन होता है। उसके कहने पर ओआईसी द्वारा भारत में अल्पसंख्यकों के साथ बर्ताव पर टिप्पणी करना मूर्खता है। जो भी देश और संगठन इस तरह के अभ्यासों में हिस्सा लेते हैं, उन्हें एहसास होना चाहिए कि इससे उनकी प्रतिष्ठा पर क्या असर होगा।

चीन के विदेश मंत्री पहुंचे भारत

नई दिल्ली ।

भारत-चीन सीमा गतिरोध के बीच चीन के विदेश मंत्री वांग यी बिना किसी आधिकारिक घोषणा के भारत पहुंचे हैं। यह गतिरोध शुरू होने के बाद दोनों देश के बीच पहली उच्च स्तरीय यात्रा है।वांग यी नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मिले। दोनों के बीच बातचीत के एजेंडा के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। उम्मीद की जा रही है कि जयशंकर बाद में बातचीत पर बयान देंगे। मीडिया रिपोर्टों में बताया जा रहा है कि जयशंकर से मिलने से पहले यी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से भी मिले। वांग यी 24 मार्च देर शाम नई दिल्ली पहुंचे। भारत सरकार ने उनकी यात्रा से संबंधित कोई घोषणा नहीं की थी। कई पत्रकारों ने ट्विट्टर पर लिखा कि वो वांग यी के विमान को ट्रैक कर उनके भारत पहुंचने की पुष्टि कर पाए। नई दिल्ली पहुंचने के पहले उन्होंने एक दिन काबुल में बिताया और उससे एक दिन पहले वो इस्लामाबाद में थे। दो साल से जारी गतिरोध भारत में उनकी बैठकों में दो साल से लद्दाख में दोनों देशों के बीच सीमा पर चल रहे सैन्य गतिरोध और यूक्रेन युद्ध पर बातचीत हो सकती है। मई और जून 2020 में दोनों देशों की सेनाओं के बीच सीमा पर कई इलाकों पर झड़प हुई थी। 15 जून को लद्दाख दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक मुठभेड़ हुई ।

मंहगाई से परेशान जनता की मांग, कोई टीका महंगाई खत्म करने के लिए बना दें मोदी जी

नई दिल्ली ।

लोगों को महामारी से निजात मिली,तब महंगाई ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। लोग कह रहे हैं, मोदीजी जैसे महामारी के खात्मे के लिए टीका बनाया वैसा ही कोई टीका महंगाई खत्म करने के लिए बना दें। जी हाँ, दूध-सब्जी, पेट्रोल-डीजल-एलपीजी-सीएनजी-पीएनजी सभी के दामों में वृद्धि ने महंगाई को सातवें आसमान पर पहुँचा दिया है। एक तरफ सूरज की बढ़ती गर्मी ने देश के अधिकांश हिस्सों में लोगों को गर्मी से परेशान कर रखा है,तब दूसरी ओर खाने-पीने से लेकर उपयोग की हर वस्तु के दाम बढ़ते जाने से लोग परेशान हैं। जहां तक पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की बात है,तब बता दें कि इनकी कीमतों में शुक्रवार को फिर 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। चार दिनों में तीसरी बार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की तरफ से जारी मूल्य अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल की कीमत अब 97 रुपये 81 पैसे प्रति लीटर और डीज़ल की कीमत बढ़कर 89 रुपये 07 पैसे हो गई है। पेट्रोल तथा डीजल की कीमतें रिकॉर्ड 137 दिन तक स्थिर रहने के बाद 22 मार्च को बढ़ी थीं। इसके बाद 23 मार्च को भी इनकी कीमतों में प्रति लीटर 80 पैसे की बढ़ोतरी की गई थी। बता दें कि उत्तरप्रदेश और पंजाब समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले चार नवंबर, 2021 से ही पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें स्थिर बनी हुई थीं। हालांकि, इस अवधि में कच्चे तेल की कीमत 30 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ी थी। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के साथ ही पेट्रोल एवं डीज़ल के दाम में पेट्रोलियम कंपनियों ने कुछ दिन और इंतजार ऐसा कहा जा रहा है ।

हमारे रूस और अमेरिका दोनों से अच्छे संबंध: भारत

नई दिल्ली । भारत ने कहा है कि उसके रूस और अमेरिका दोनों से अच्छे संबंध हैं और उनकी अपने आप में अलग-अलग अहमियत है। यूक्रेन युद्ध संबंधी एक सवाल के जवाब में भारत के विदेश मंत्रालय ने संसद में यह बात कही।पश्चिमी देशों की ओर से रूस के खिलाफ रुख अपनाने के लिए बढ़ते दबाव के बीच भारत ने कहा है कि उसके रूस और अमेरिका दोनों से दोस्ताना संबंध हैं और उनकी अपनी-अपनी अहमियत है। कई देश चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत रूस के खिलाफ सख्त रुख अपनाए। पिछले एक दशक में भारत और अमेरिका के संबंधों में घनिष्ठता बढ़ी है लेकिन रूस आज भी भारत को हथियार बेचने वाला सबसे बड़ा देश है। यूक्रेन पर हमले के बाद भारत ने रूस की निंदा नहीं की है और एक से ज्यादा बार संयुक्त राष्ट्र में लाए गए रूस विरोधी प्रस्तावों के दौरान मतदान में हिस्सा नहीं लिया, जिसे रूस के समर्थन के तौर पर देखा गया। अमेरिका के करीबी माने जाने वाले देशों में भारत एकमात्र ऐसा बड़ा देश है जो रूस के खिलाफ नहीं है। भारत की विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने संसद में कहा, भारत ने यूक्रेन में फौरन हिंसा रोकने और विवाद सुलझाने के लिए कूटनीति और बातचीत के रास्ते पर लौटने का आग्रह किया है। भारत के अमेरिका और रूस दोनों के साथ दोस्ताना और करीबी संबंध हैं। संयुक्त राष्ट्र में एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें यूक्रेन के मानवीय संकट के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया गया। भारत ने इस प्रस्ताव पर मतदान में हिस्सा नहीं लिया। इस प्रस्ताव के पक्ष में 140 मत पड़े जबकि पांच देशों बेलारूस, सीरिया, उत्तर कोरिया, इरीट्रिया और रूस ने इसके विरोध में मतदान किया। 38 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया, जिनमें चीन, भारत, दक्षिण अफ्रीका, ईरान और क्यूबा शामिल थे। प्रस्ताव में रूस को तुरंत प्रभाव से युद्ध विराम करने की अपील की गई है, ताकि करोड़ों लोगों, घरों, स्कूलों और अस्पतालों को बचाया जा सके। इस प्रस्ताव को यूक्रेन ने पेश किया था। मतदान की स्थिति लगभग 2 मार्च के प्रस्ताव जैसी ही रही। तब 141 देशों ने रूस के खिलाफ मतदान किया था और 5 ने पक्ष में, जबकि भारत समेत 35 देश गैरहाजिर रहे थे। बढ़ रहा है भारत पर दबाव इसी हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा था कि क्वॉड देशों में भारत ही एक ऐसा देश है जो रूस के खिलाफ कदम उठाने में गड़बड़ा रहा है। इससे पहले भी कई पश्चिमी देश भारत पर रूस के खिलाफ रुख अपनाने के लिए दबाव बना चुके हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

कबिरा आप ठगाइये, और न ठगिये कोय। आप ठगे सुख होत है, और ठगे दुख होय? - कबीर

संपादकीय

समझदारी जरूरी

हिजाब मामले में देश की सर्वोच्च अदालत का रुख प्रथम दृष्टया प्रशंसनीय और सांकेतिक है। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना के रुख से समाज में समझदारी का अनुपात बढ़ना चाहिए। अदालत का इशारा है कि मामले को ज्यादा सनसनीखेज न बनाया जाए। इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लाने वाले अधिवक्ता ने परीक्षाओं का हवाला देते हुए जल्दी सुनवाई की मांग की थी, पर अदालत को जल्दी नहीं है। अदालत ने कहा है कि परीक्षाओं का इस मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है। परीक्षा देने संबंधी जो प्रावधान हैं, उनमें हिजाब जैसी कोई बात नहीं है। कर्नाटक में कई लड़कियों ने हिजाब पहनने की जिद के कारण परीक्षा में बैठने से इनकार कर दिया था। कर्नाटक सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि दोबारा परीक्षा नहीं ली जाएगी, जबकि कुछ लड़कियों की मांग है कि परीक्षा फिर से ली जाए, वरना साल बर्बाद हो जाएगा। यहां प्रश्न प्राथमिकता का है, हिजाब या परीक्षा? ऐसे कारणों से अगर परीक्षा दोबारा होने लगे, तो एक नई परिपाटी शुरू हो जाएगी, जिसे गलत मानने वाले भी अच्छी-खासी संख्या में होंगे। फिर भी उन लड़कियों के बारे में शिक्षा के कर्णधारों को स्थानीय स्तर पर कोई फैसला लेना चाहिए, ताकि उनका साल बर्बाद न हो। वैसे तो कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पहले ही अपना फैसला सुना दिया है कि हिजाब अनिवार्य नहीं है। यह कोई ऐसा हक नहीं है, जो मजहब से हासिल होता हो। आम जनजीवन में हिजाब पर कोई रोक नहीं है, कोई भी पहन सकता है, लेकिन जब बात स्कूल और कॉलेज की आती है, तो अनुशासन और एकरूपता को अहमियत देना अपरिहार्य है। जाहिर है, इस फैसले से असंतुष्ट लोगों ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है और सर्वोच्च न्यायालय ने बिल्कुल वाजिब इशारा किया है कि यह मामला उतने महत्व का नहीं है, जितना उसे बनाया जा रहा है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने न्यायिक और धार्मिक आधारों के अध्ययन के बाद अपने फैसले में हिजाब सहित शैक्षणिक संस्थानों के अंदर सभी तरह के धार्मिक कपड़ों पर प्रतिबंध को सही माना था। अब सर्वोच्च न्यायालय को विचार करना है, क्या हिजाब जरूरी धार्मिक प्रथा है। वास्तव में, ऐसे मामलों को हम जरूरत से ज्यादा तरजीह देने लगे हैं। कई बार सनसनीखेज और हिंसक भी बना दे रहे हैं। अगर हम इसी मामले को लें, तो उच्च न्यायालय के जिन न्यायाधीशों ने यह फैसला सुनाया था, उन्हें मौत की धमकी दे दी गई। शिकायत मिलने के बाद न्यायमूर्तियों को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। किसी भी चीज को धर्म के नजरिए से देखने में बुराई नहीं है, पर जब सांप्रदायिकता के नजरिए से देखा जाता है, तब समस्या होती है। हिजाब के पक्ष और विपक्ष, दोनों तरफ सांप्रदायिकता की घुसपैठ है। अदालत इस घुसपैठ से परे जाकर संविधान की रोशनी में ही विचार करेगी। आज समाज जिस ओर बढ़ रहा है, उसमें सांप्रदायिकता की चाशनी में पगे ऐसे मामले खूब सामने आएंगे। अव्वल तो लोगों को ही सावधान रहना होगा। स्कूलों, कॉलेजों में प्राथमिकता पढ़ाई ही रहे। सामान्य शिक्षा किसी धार्मिक कर्मकांड का क्षेत्र नहीं है। स्कूलों-कॉलेजों के बाहर धार्मिक व्यवहार की भी पूरी आजादी है, जिसकी रक्षा संविधान करता है और हमेशा करेगा। अब स्कूलों में भी धर्म के नाम पर किसी परिधान को अगर स्वीकार किया जाना है, तो इसके लिए भी सद्भाव जरूरी है, ताकि हम अप्रिय स्थितियों से बचते हुए राह निकाल सकें।

आज के कार्टून

विज्ञान और तर्क

सद्गुरु

विज्ञान महज एक तरीका है, एक विधि है एक ऐसा तरीका व विधि जो विसनीय (भरोसे के लायक) है। चलिए, विज्ञान के इस तरीके को समझते हैं। यूरोपीय पद्धति पर आधारित यह तरीका जो आगे चलकर आधुनिक विज्ञान का आधार बना, दरअसल कट्टर धार्मिक परंपराओं के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में सामने आया। उन दिनों वे लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि ऐसी किसी भी चीज का अस्तित्व नहीं हो सकता, जो तार्किक तौर पर (लॉजिक के आधार पर) सही नहीं हो। तर्क के प्रति इस समर्पण के चक्कर में हमने जिंदगी के आनंद को खो दिया। मुझे लगता है कि आइंस्टाइन ने भी इसी से मिलती-जुलती बात कही थी, जो आप भी जानते होंगे। उन्होंने कहा था कि 'अंतर्ज्ञान एक उपहार है, एक पावन उपहार है, लेकिन तर्क एक भरोसेमंद नौकर है।' अब हमने एक ऐसा समाज बना लिया है जो नौकर को सम्मान देता है, और पवित्र उपहार की उपेक्षा करता है। ये आइंस्टाइन के ही शब्द हैं, जिसको मैंने थोड़ा आसान बनाकर कह दिया है। पूरब के समाज में हमेशा से ऐसी ही सोच रही है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हमारा आधार वैज्ञानिक नहीं है। मैं आपको दक्षिण भारत में, कर्नाटक के एक मंदिर के बारे में बताता हूं। यह मंदिर लगभग पंद्रह सौ साल पुराना है। वहां लोग इस बात पर विचार कर रहे थे कि कैसे एक बोरवेल बनाया जाए। पर अगर आप इस तरह का एक गड्ढा खोदते हैं, तो लगातार पानी मिल सकता है, लेकिन उन्होंने सोचा कि अगर ऐसा किया तो जमीन को बड़ा नुकसान हो सकता है। इसीलिए उन्होंने ऐसा न करने का फैसला किया। उन्होंने एक ऐसे जहाज के डिजाइन के बारे में भी बात की, जो उड़ सके। फिर उन्होंने कहा कि अगर आपने इसे उड़ाया तो वायुमंडल में ईथर (आकाश तत्व) का स्तर बिगड़ जाएगा और इंसान अपना दिमागी संतुलन खो देगा, इसलिए हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। यह सब वहां के पत्थरों पर उस समय की भाषा में लिखा गया है। इस तरह का ज्ञान पश्चिमी देशों में नहीं था, क्योंकि वहां जो भी घटित हुआ, दरअसल वह कट्टर धार्मिक परंपराओं के प्रति प्रतिक्रिया थी। इसलिए हमने तार्किक बुद्धि को बहुत ऊंचा मानना शुरू कर दिया। आप किस तरह की बुद्धि चाहते हैं-तेज या मंद? तेज ही चाहेंगे न?

हिंसा के चरम पर पश्चिम बंगाल

- प्रमोद भार्गव

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक और सामाजिक हिंसा की जड़ें अत्यंत गहरी हैं। कांग्रेस, वामपंथी या तृणमूल, सत्ता किसी की रही हो, इन दलों की राजनीतिक संस्कृति हिंसा का ही पर्याय रही है। बीते साल हुए विधानसभा चुनाव में और इसके पहले पंचायत चुनाव में खूब हिंसा की वारदातें देखने में आती रही हैं। बीरभूम जिले के रामपुरहाट में तृणमूल कांग्रेस के एक नेता भादू शेख की हत्या के बाद करीब एक सैंकड़ा बाइक सवार हथियारबंद आततायी रामपुरहाट पहुंचे और घरों के दरवाजे बाहर से बंद कर आग लगा दी, जिसमें दस लोग जिंदा जलकर राख हो गए। जब राज्य सरकार उचित कानूनी कार्रवाई करते नहीं दिखी तब कलकत्ता हाईकोर्ट ने कठोर रुख अपनाते हुए मामले को स्व-संज्ञान में लिया और चौबीस घंटे में घटना की रिपोर्ट मांगी। साथ ही अग्निकांड में घायल एक नाबालिग सहित अन्य घायलों की सुरक्षा तय करने की हिदायत दी, ताकि इन चश्मदीद गवाहों के बयान दर्ज किए जा सकें। उपचार, सुरक्षा और मृतकों के शवों के वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। चूंकि निर्दोष महिला और बच्चे भी इस नरसंहार में मारे गए हैं, लिहाजा राष्ट्रीय महिला आयोग और राष्ट्रीय बाल अधिकार संगठन आयोग भी सक्रिय हुए और पुलिस से कानूनी कार्रवाई की रिपोर्ट तलब की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए राज्य सरकार को हर प्रकार की मदद देने का भरोसा दिया है। यह नरसंहार इतना वीभत्स था कि बंगाल के महाअधिवक्ता एनएस मुखर्जी को न्यायालय में कहना पड़ा कि 'ऐसी दुर्लभतम घटना पर मैं राज्य का नागरिक होने पर शर्मिंदा हूं। अतएव मैं उस गांव का निवासी होता तो कुछ दिनों के लिए पलायन कर जाता।' हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों का कहना है कि रामपुर हाट के तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष अनारूल हुसैन के उकसाने पर इस वारदात को अंजाम दिया गया है। पीड़ित और हत्यारों के नाम उजागर होने पर भाजपा की बंगाल राज्य सचिव लॉकेट चटर्जी ने कहा है 'अब बंगाल कश्मीर की राह पर चल रहा है। यदि यही हालात रहे तो बंगाल कश्मीर में बदल जाएगा। अतएव इस मामले की सीबीआई और एनआईए से जांच अनिवार्य है।' भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार की मानें तो इस राज्य में एक सप्ताह के भीतर 26 लोगों की हत्याएं हुई हैं, जिनमें राजनेता भी शामिल हैं। साफ है, बीरभूम की घटना और अन्य घटनाओं की पृष्ठभूमि में राजनीतिक एवं सांप्रदायिक संघर्ष अंतरनिर्हित है। दरअसल यह घटना विधानसभा के चुनाव के समय और उसके बाद हुई हिंसक घटनाओं की कड़ी का ही एक हिस्सा है। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद भी प्रदेश में जगह-जगह हिंसा भड़की थी, जिनमें 16 लोग मारे गए थे। इसलिए यह आशंका भी जताई जा रही है कि हिंसा की यह इबारत चुनावी प्रतिक्रिया स्वरूप लिखी गई है। यह असहिष्णुता पंचायत, निकाय, विधानसभा और लोकसभा चुनावों में एक स्थाई चरित्र के रूप में मौजूद रहती है। विडंबना ही कहा जाएगा कि जब हिंसा और अराजकता के लिए बदनाम राज्य बिहार और उत्तर प्रदेश इस हिंसा से मुक्त हो रहे हैं, तब बंगाल और केरल में यह हिंसा बेलगाम होकर सांप्रदायिक रूप में दिखाई दे रही है। याद रहे इसी कड़ी में भाजपा विधायक देवेंद्रनाथ की हत्या कर लाश सार्वजनिक स्थल पर टांग दी गई थी। देवेंद्रनाथ माकपा से भाजपा में शामिल हुए थे। बंगाल में वामदल अर्से से खूनी हिंसा के पर्याय बने हुए हैं। इन हिंसक वारदातों से पता चलता है कि बंगाल पुलिस तृणमूल कांग्रेस की कठपुतली बनी हुई है। दरअसल बंगाल ने हिंसा को राजनीतिक-सांस्कृतिक परंपरा मान लिया है। यह हिंसा राष्ट्रवादी क्रांतिकारियों ने जहां अंग्रेजों से मुक्ति के लिए अंजाम तक पहुंचाई वहीं चारू मजूमदार और कानून सान्याल जैसे नक्सलवादियों ने इसे सामतामूलक हितों के लिए अपनाया था, किंतु बाद में यह आर्थिक हित साधने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों से जुड़ गई। देश में हिंसा भड़काने के लिए नक्सलवादियों को बांग्लादेश और चीन से धन व हथियारों की मदद मिलती रही है। पश्चिम बंगाल में जब बांग्लादेशी मुस्लिमों की घुसपैठ बढ़ गई और इनका कांग्रेस, वामपंथ और तृणमूल कार्यकर्ताओं के रूप में राजनीतिकरण हो गया, तब ये राजनीतिक गुटों की शत्रुता को सांप्रदायिक हिंसा में बदलने लग गए। जहां-जहां इन घुसपैठियों का संख्या बल बढ़ता गया, वहां-वहां इन्होंने स्थानीय मूल हिंदू बंगालियों की संपत्ति हड़पकर उन्हें बेदखल करना शुरू कर दिया। बंगाल में हिंसा बढ़ते जाने का यह प्रमुख कारण है, जिसे वोट बैंक की तुष्टिकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस, वामपंथी और तृणमूल नजरअंदाज करती रही हैं। यही कारण है कि मां, माटी और मानुष जैसा राष्ट्रवादी नारा लगाने वाली ममता भी इस तरह की सांप्रदायिक हिंसा से जुड़ी वारदातों पर पर्दा डालने की कोशिश करती रही हैं। मानवाधिकार और कथित धर्मनिरपेक्षता के पैरोकार भी ऐसे मुद्दों पर होठ सिल लेते हैं। वामदलों के साढ़े तीन दशक चले शासन में राजनीतिक हिंसा की खूनी इबारतें निरंतर लिखी जाती रही थीं। वामपंथी मार्क्सवादी विचारधारा विरोधी विचार को तरजीह देने की बजाय उसे जड़-मूल से खत्म करने में विश्वास रखती हैं। ममता बनर्जी जब सत्ता पर काबिज हुई थीं, तब यह उम्मीद जगी थी कि बंगाल में लाल रंग का दिखना अब समाप्त हो जाएगा। लेकिन धीरे-धीरे तृणमूल कांग्रेस वामदलों के नए संस्करण में बदलती चली गई। हिंसा की इस राजनीतिक संस्कृति की पड़ताल करें तो पता चलता है कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का पहला सैनिक विद्रोह इसी बंगाल के कलकत्ता एवं बैरकपुर में हुआ था, जो मंगल पाण्डे की शहादत के बाद 1947 में भारत की आजादी का कारण बना। बंगाल में जब मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर राय के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थी, तब सामाजिक व आर्थिक विषमताओं के विद्रोह स्वरूप नक्सलवाड़ी आंदोलन उपजा। लंबे समय तक चले इस आंदोलन को कुचला गया। हजारों दोषियों के दमन के साथ कुछ निर्दोष भी मारे गए। इसके बाद कांग्रेस से सत्ता हथियाने के लिए भारतीय मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व में वाम मोर्चा आगे आया। इस लड़ाई में भी विकट खूनी संघर्ष सामने आया और आपातकाल के बाद 1977 में हुए चुनाव में वामदलों ने कांग्रेस के हाथ से सत्ता छीन ली। लगातार 34 साल तक बंगाल में मार्क्सवादियों का शासन रहा। इस दौरान सियासी हिंसा का दौर नियमित चलता रहा। तृणमूल सरकार द्वारा जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 1977 से 2007 के कालखंड में 28 हजार राजनीतिक कार्यकर्ताओं और नेताओं की हत्या हुई। सर्वहारा और किसान की पैरवी करने वाले वाम मोर्चा ने जब सिंगूर और नंदीग्राम के किसानों की खेती की जमीनें टाटा को दीं तो इस जमीन पर अपने हक के लिए उठ खड़े हुए किसानों के साथ ममता बनर्जी आ खड़ी हुईं। ममता कांग्रेस की पाठशाला में ही पढ़ी थीं। जब कांग्रेस उनके कड़े तेवर झेलने और संघर्ष में साथ देने से बचती दिखी तो उन्होंने कांग्रेस से पल्ला झाड़ा और तृणमूल कांग्रेस को अस्तित्व में लाकर वामदलों से भिड़ गईं। इस दौरान उन पर कई जानलेवा हमले हुए लेकिन उन्होंने अपने कदम पीछे नहीं खींचे। जबकि 2001 से लेकर 2010 तक 256 लोग सियासी हिंसा में मारे गए। यह काल ममता के रचनात्मक संघर्ष का चरम था। इसके बाद 2011 में बंगाल में विधानसभा चुनाव हुए और ममता ने वाम मोर्चा का लाल झंडा उतारकर तृणमूल की विजय पताका फहरा दी। इस साल भी 38 लोग मारे गए।

फिल्मों में भी दिखे भारत

- प्रो. संजय द्विवेदी

समाज की बेहतरी, भलाई और मानवता का स्पंदन ही भारत बोध का सबसे प्रमुख तत्व है। फिल्म क्षेत्र में भारतीय विचारों के लिए यही कार्य 'भारतीय चित्र साधना' जैसी समर्पित संस्था विगत कई वर्षों से कर रही है। भारतीय चित्र साधना के प्रतिष्ठित 'चित्र भारती फिल्मोत्सव 2022' का आयोजन इस वर्ष मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 25 से 27 मार्च तक किया जाएगा। इस आयोजन के माध्यम से मध्य प्रदेश के युवाओं को कला जगत और खासकर फिल्मों के क्षेत्र में अवसर, प्रोत्साहन और मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आज का सिनेमा पश्चिम की नकल कर रहा है, जबकि भारतीय चित्र साधना भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाले सिनेमा पर कार्य कर रहा है। भारतीय सिनेमा का इतिहास भारत के आर्थिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं राजनीतिक मूल्यों और संवेदनाओं का ऐसा इंद्रधनुष है, जिसमें भारतीय समाज की विविधता, उसकी सामाजिक चेतना के साथ सामने आती है। भारतीय समाज का हर रंग सिनेमा में मौजूद है। भारत में अलग-अलग समय में अलग तरह की फिल्मों का निर्माण किया गया। 1940 की फिल्मों का दशक गंभीर और सामाजिक समस्याओं से जुड़े मुद्दों को केंद्र में रखकर फिल्मों के निर्माण का समय था। 1950 का दशक फिल्मों का आदर्शवादी दौर था। 1960 का वक्त 1950 के दशक से काफी अलग था। राज कपूर ने जो रोमांटिक फिल्मों का ट्रेंड शुरू किया था, वह इस दौर में अपने पूरे शबाब पर था। 1970 का दशक व्यवस्था के प्रति असंतोष और विद्रोह का था। 1980 का फिल्मों का दशक यथार्थवादी फिल्मों का दौर था, जबकि 1990 का वक्त आर्थिक उदारीकरण का था। भारतीय सिनेमा में जनमानस और भारत बोध के आधार पर फिल्मों का निर्माण करने की परंपरा बहुत पुरानी है। बॉलीवुड का सिनेमा भारतीय समाज की कहानी को कहने का सशक्त माध्यम रहा है। इसके जरिए भारत की स्वतंत्रता की कहानी, राष्ट्रीय एकता को कायम रखने के संघर्ष की कहानी और वैश्विक समाज में भारत की मौजूदगी की कहानी को चित्रित किया जाता रहा है। भारतीय सिनेमा विदेशों में काफी कामयाब हुआ है और इसके जैसा दूसरा कोई ब्रांड नहीं जो दुनिया भर में इतना कामयाब हुआ है। भारतीय सिनेमा में बदलते भारत की झलक भी मिलती रही है। 1943 में बनी फिल्म 'किस्मत' उस दौर में सुपरहिट साबित हुई थी। भारत छोड़ो आंदोलन जब चरम पर था, तब इस फिल्म का एक गाना बेहद लोकप्रिय हुआ था, 'दूर हटो ऐ दुनिया वालों हिंदुस्तां हमारा है।' 1949 में भारत को स्वतंत्रता मिले कुछ ही वक्त हुआ था। देश के तौर पर हमारी पहचान बस बन रही थी। तब 'शबनम' नामक फिल्म में पहली बार विविध भाषाई गीतों का इस्तेमाल किया गया, जिसमें बंगाली, मराठी और तमिल भाषा का उपयोग किया गया था। इसके जरिए दर्शकों को ये बताने की कोशिश की गई थी कि ये सभी भाषाएं भारतीय भाषाएं हैं। मशहूर फिल्मकार वी. शांताराम 1921 से 1986 के बीच करीब 65 साल तक फिल्मी दुनिया में सक्रिय रहे। उन्होंने 1953 में विविध रंगी और बहुभाषी समाज होने के बाद भारत की एकता के मुद्दे पर 'तीन बत्ती चार रास्ते' फिल्म बनाई। इस फिल्म की कहानी में एक ऐसा परिवार था, जिसके घर की वधुएं अलग-अलग भाषाएं बोलती हैं। 1960 में के. आसिफ ने अकबर की बादशाहत पर 'मुगले-ए-आजम' के तौर पर एक भव्य और ऐतिहासिक फिल्म बनाई', जबकि उसी वक्त राजकपूर 'जिस देश में गंगा बहती है' और दिलीप कुमार 'गंगा-जमुना' जैसी फिल्में बना रहे थे। 1981 में प्रदर्शित मनोज कुमार की फिल्म 'क्रांति' ने भारत बोध के एक नए युग की शुरुआत की। 2001 में आमिर खान की फिल्म 'लगान' में भारत के एक गांव के किसानों को अपनी लगान की माफी के लिए अंग्रेजों के साथ क्रिकेट मैच खेलते हुए दिखाया गया। इस मैच में भारतीय गांव के किसानों ने अंग्रेजों को हरा दिया। ये विश्वस्त भारत की तस्वीर थी, जो अपने उपनिवेशवाद के दिनों को नए ढंग से देख रहा था। इसके अलावा भूमंडलीकरण और तेजी से बदलते महानगरीय समाज, खासकर महिलाओं की स्थिति को फिल्मों में दिखाया गया। ऐसी फिल्मों की शुरुआत 1994 में प्रदर्शित फिल्म 'हम आपके हैं कौन' से हुई। भारत के सॉफ्ट पावर की शक्ति में हमारी फिल्मों की बहुत बड़ी भूमिका है। ये फिल्में ही हैं, जो पूरे विश्व में भारतीयता का प्रतिनिधित्व करती हैं। भारतीय फिल्में भारतीयता का आईना रही हैं। दुनिया को भी वो अपनी ओर आकर्षित करती रही हैं। हमारी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर तो धूम मचाती रहती हैं, साथ ही पूरे विश्व में भारत की साख बढ़ाने, भारत को ब्रांड बनाने में भी बहुत बड़ा रोल प्ले करती हैं। सिनेमा की एक साइलेंट पावर ये भी है कि वो लोगों को बिना बताए, बिना ये जताए कि हम आपको ये सिखा रहे हैं, बता रहे हैं; एक नया विचार जगाने का काम करता है। अनेक ऐसी फिल्में होती हैं, जिन्हें देखकर जब लोग निकलते हैं तो अपने जीवन में कुछ नए विचार लेकर निकलते हैं। भारतीय फिल्मों में आज दिख रहा बदलाव सिर्फ स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्मों जैसा भव्य नहीं है, बल्कि यह एक सौंदर्यशास्त्रीय बदलाव है, जो बदल रहा है, उभर रहा है और अपनी स्वतंत्र राह पकड़ रहा है। इन दिनों शौचालय जैसा विषय हो, महिला सशक्तिकरण जैसा विषय हो, खेल हों, बच्चों की समस्याओं से जुड़े पहलू हों, गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता का विषय हो या फिर हमारे सैनिकों का शौर्य, आज एक से एक बेहतरीन फिल्में बन रही हैं। विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' इस कड़ी का सबसे ताजा उदाहरण है। इन फिल्मों की सफलता ने सिद्ध किया है कि सामाजिक विषयों को लेकर भी अगर बेहतर विजन के साथ फिल्म बने, तो वो बॉक्स ऑफिस पर भी सफल हो सकती है और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान भी दे सकती है।

(लेखक, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक हैं।)

सू-दोकू नवताल -2077

	1			9				
	8		2				5	
4		2			6			1
	4	1		8				9
				7				
3				1		8	7	
5			1			3		2
	9				7		1	
				3			4	

सू-दोकू -2076 का हल

7	6	2	4	5	9	1	3	8
4	1	8	7	3	6	9	5	2
9	5	3	8	1	2	7	6	4
8	7	9	2	4	5	6	1	3
3	2	6	1	7	8	5	4	9
5	4	1	6	9	3	8	2	7
6	3	4	9	8	1	2	7	5
2	9	7	5	6	4	3	8	1
1	8	5	3	2	7	4	9	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2077

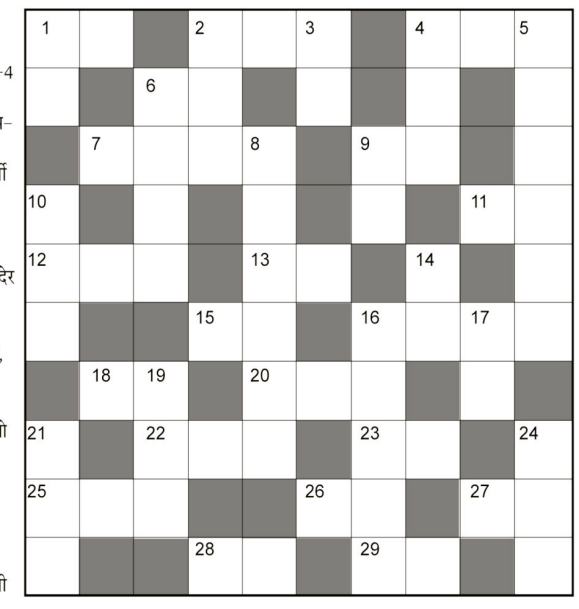

बायें से दायें:-

1. अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी, करिश्मा कपूर अभिनीत फिल्म-2
2. 'दिल का पंक्षी बोले कुकू कुकू' गीत वाली फिल्म-3
4. विनोद खन्ना, अक्षय कुमार दीया मिर्जा अभिनीत फिल्म-3
6. 'तूने अगर प्यार से देखा नहीं' गीत वाली संजय कपूर अभिनीत फिल्म-2
7. 'कसम से तेरी आंखें' गीतवाली फिल्म-4
9. बॉबी देओल, लारा दत्ता, गुल पनाग अभिनीत फिल्म-2
11. 'याद आती है मगर आती नहीं' गीत वाली फिल्म-2
12. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
13. द्विविज काक, रूपा दत्ता की 'तुम से दिल क्या लगा लिया' गीत वाली फिल्म-2
15. कुमार गौरव, माधुरी अभिनीत फिल्म-2
16. 'सर से सरक गई तेरी चुनरी' गीत वाली फिल्म-4
18. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया अभिनीत फिल्म-2
20. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी अभिनीत फिल्म-3
22. अक्षय, रवीना अभिनीत फिल्म-3
23. ऋषि कपूर अभिनीत 'मैं देर करता नहीं' गीत वाली फिल्म-2
25. गणेश यादव, राजन कपूर, ईशा कोप्पिकर अभिनीत फिल्म-3
26. अनिल कपूर, पूनम ढिल्लो अभिनीत फिल्म-2
27. 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली फिल्म-2
28. आफताब शिवदासानी,सेलिना जेटली अमृता अरोड़ा अभिनीत फिल्म-2
29. 'मैं ऐसा क्यों हूं' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. विनोद खन्ना, रणदीप हूडा, तनुश्री दत्ता सीमा बिस्वास अभिनीत एक फिल्म-2
2. 'बस एक जरा कहा तुम मानो' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली अजय देवगन की फिल्म-2
4. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' संजय दत्त अभिनीत फिल्म-3
5. अमिताभ, अक्षय कुमार, रिमि सेन की फिल्म-3,3
6. 'मेरे संग संग आया तेरी यादों का मेला' गीत वाली धर्मेन्द्र अभिनीत फिल्म-4
8. 'कहीं दीप जले कहीं दिल' गीतवाली फिल्म-2,2,2
9. अक्षय कुमार, ट्विंकल खन्ना राखी मल्होत्रा अभिनीत फिल्म-2
10. सनी देओल, अमृता सिंह अभिनीत फिल्म-3
14. 'मुझे नींद न आए मुझे चैन न आए' गीत वाली फिल्म-2
16. 'हमें तो लूट लिया मिल के हुस्न वालों ने' गीत वाली फिल्म-2,3
17. 'धक धक करने लगा' गीत वाली फिल्म-2
19. फिल्म 'अवतार' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-3
21. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
24. शाहिद कपूर, अमृता राव अभिनीत फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2076

ऐ	त	बा	र		जु	र्म		जी	
त		द		क	र्मा		घा	त	क
रा	हु	ल		री	ना	रा	य		र्म
ज			हि	ना		जा	ल		यो
	फ	की	रा		शी	बा		बा	गी
क	र्ज		स	नी		बू	म		
र		शी	त	ल			हा	सि	ल
म	हा	न		क	न्या	दा	न		व
	द		ना	म		दा	ता		स्टो
सं	सा	र		ल	की			नू	री

तेल और गैस के भुगतान के लिए बिटकॉइन स्वीकार करेगा रूस

मुंबई ।

रूसी सरकार ने कहा` कि देश तेल और गैस के भुगतान के लिए बिटकॉइन स्वीकार करेगा। दरअसल पश्चिमी देशों ने यूक्रेन पर आक्रमण के कारण रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाए हैं। रूस की कांग्रेस ऊर्जा समिति के अध्यक्ष पावेल जावलनी ने हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा` कि रूस अपने प्राकृतिक संसाधनों के निर्यात के लिए बिटकॉइन स्वीकार करने के लिए खुला है। हालांकि अध्यक्ष ने कहा कि शर्तें रूस के साथ आयात करने वाले देश के विदेशी संबंधों की स्थिति पर निर्भर करेंगी। पावेल ने कहा` कि जब चीन या तुर्की जैसे हमारे मित्र देशों की बात आती है तो हम उन्हें कुछ समय के लिए रूबल और युआन जैसी राष्ट्रीय मुद्राओं में भुगतान स्विच करने की पेशकश करते हैं। तुर्की के साथ, यह लीरा और रूबल हो सकता है। अगर वे बिटकॉइन चाहते हैं, तो हम बिटकॉइन में व्यापार करेंगे। जावलनी का बयान बुधवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की टिप्पणियों के बाद आया। इसमें मांग की गई थी कि अमित्र देश रूसी गैस के लिए रूबल में भुगतान करते हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की टिप्पणियों के बाद आया। इसमें मांग की गई थी कि अमित्र देश रूसी गैस के लिए रूबल में भुगतान करते हैं। पुतिन की घोषणा ने यूरोपीय गैस की कीमतों को चिंता में डाल दिया कि इस कदम से पहले से ही दबाव में ऊर्जा बाजार बढ़ सकता है। स्टेट ड्यूमा की ऊर्जा समिति के अध्यक्ष ने पुतिन के फैसले को प्रतिध्वनित करते हुए कहा कि देश को भी सोना स्वीकार करना चाहिए। जावलनी ने कहा` कि जब हम पश्चिमी देशों के साथ लेन-देन करते हैं।

तो उन्हें कठिन धन का भुगतान करना चाहिए और यह हमारे लिए सोना है या उन्हें उन मुद्राओं में भुगतान करना होगा जो हमारे लिए सुविधाजनक हैं और वह है राष्ट्रीय मुद्रा रूबल। यह हमारे अमित्र देशों से संबंधित है।

वित्त मंत्रालय ने वित्त विधेयक में क्रिप्टोकरेंसी पर कराधान नियम सख्त करने का प्रस्ताव किया

नई दिल्ली ।

सरकार ने अन्य डिजिटल परिसंपत्तियों से मुनाफे के साथ नुकसान की भरपाई की अनुमति नहीं देकर क्रिप्टोकरेंसी पर कराधान के नियमों को सख्त बनाने का प्रस्ताव किया। मंत्रालय ने लोकसभा सदस्यों को जारी वित्त विधेयक, 2022 में संशोधनों के तहत डिजिटल परिसंपत्तियों से लाभ के साथ नुकसान की भरपाई से संबंधित खंड से अन्य शब्द को हटाने का प्रस्ताव किया है। इसका मतलब है कि वर्चुअल डिजिटल संपत्तियों (वीडीए) के अंतरण से होने वाले घाटे की अन्य वीडीए के स्थानांतरण से होने वाली आय के जरिये भरपाई की अनुमति नहीं होगी। वित्त विधेयक, 2022 के अनुसार 'वर्चुअल डिजिटल' संपत्ति कोड या संख्या अथवा टोकन हो सकता है, जिसे स्थानांतरित किया जा सकता है या फिर उसे रखा जा सकता है अथवा इलेक्ट्रॉनिक रूप से व्यापार किया जा सकता है। वीडीए में क्रिप्टोकरेंसी और नॉन फंजिबल टोकन (एनएफटी) शामिल है, जिसके प्रति हाल के दिनों में आकर्षण बढ़ा है। वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में क्रिप्टो संपत्ति पर आयकर लगाने को लेकर चीजें स्पष्ट की गई हैं। एक अप्रैल से ऐसे लेन-देन से होने वाली आय पर 30 प्रतिशत आयकर के साथ उपकर और अधिभार लगाया जाएगा। यह कर ठीक उसी प्रकार से लगेगा, जैसे लॉटरी जैसे सट्टे वाले लेन-देन से होने वाले लाभ पर लगता है। साथ ही वीडीए के हस्तांतरण से आय की गणना करते समय, किसी भी खर्च (अधिग्रहण की लागत के अलावा) या भत्ते के संबंध में कोई कटौती की अनुमति नहीं दी जाएगी। बजट में एक साल में 10,000 रुपए से अधिक ऑनलाइन डिजिटल मुद्रा भुगतान पर एक प्रतिशत टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) लगाने का भी प्रस्ताव है। साथ ही इस प्रकार की संपत्ति उपहार देने पर भी टीडीएस के लिए सीमा निर्धारित व्यक्तियों के लिये 50,000 रुपए सालाना होगी।

भारत में अगले दो दशक में 2,200 नए विमानों की जरूरत होगी: एयरबस

हैदराबाद ।

दिग्गज विमान विनिर्माता एयरबस ने कहा` कि भारत में विमानन परिदृश्य बेहतर होने से यहां पर अगले दो दशक में 2,210 नए विमानों की जरूरत होगी। एयरबस के एयरलाइन विपणन प्रमुख (भारत एवं दक्षिण एशिया) ब्रेंट मैकब्रैटनी ने कहा कि भारत में अगले दो दशक में बड़ी संख्या में नए विमानों की जरूरत होगी। इनमें से 1,770 विमान छोटे आकार के तथा 440 विमान मध्यम एवं बड़े आकार के होने चाहिए। मैकब्रैटनी ने कहा कि अगले दो दशक में पुराने विमानों की जगह लेने और उद्योग के विस्तार की मांग को पूरा करने के लिए इन नए विमानों की जरूरत पैदा होगी। भारतीय विमानन उद्योग के विस्तार की संभावनाओं को देखते हुए उसे वर्ष 2040 तक 34,000 अतिरिक्त पायलट और 45,000 तकनीकी स्टाफ की भी जरूरत होगी। भारत में हवाई परिवहन के अगले दो दशक में 6.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है। इस अवसर पर एयरबस के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (भारत एवं दक्षिण एशिया) रेमी मेलार्ड ने कहा कि लंबी दूरी वाली उड़ानों का 94 प्रतिशत विदेशी विमानन कंपनियों के पास है।

लिहाजा भारतीय एयरलाइंस के पास विस्तार की काफी गुंजाइश है। मेलार्ड ने भारतीय बाजार के लिए एयरबस ए-350 विमान को बेहद उपयोगी बताते हुए कहा कि भारत में लंबी दूरी की उड़ानों को संचालित कर विमानन परिदृश्य बदलने में यह विमान रणनीतिक भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत में हवाई परिवहन पिछले 20 वर्षों में नौ गुना बढ़ा है और यह दुनिया का तीसरा बड़ा पिछले 10 वर्षों में भारत में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या तीन गुना बढ़ी है।

उन्नत रसायन सेल बैटरी भंडारण के लिए चार कंपनियों का चयन

मुंबई ।

मोदी सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय ने उन्नत रसायन सेल (एसीसी) बैटरी भंडारण के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत कुल चार कंपनियों को चुना है। मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि पीएलआई योजना के लिए रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर लिमिटेड, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड, हुंदै ग्लोबल मोटर्स कंपनी लिमिटेड और राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड को चुना गया है। मंत्रालय के अनुसार, इस योजना के तहत चार सफल बोलीदाता कंपनियों को 50 गीगावॉट बैटरी क्षमता का आवंटन किया गया। इन कंपनियों को स्थानीय बैटरी सेल उत्पादन को बढ़ावा देने के 18,100 करोड़ रुपये के कार्यक्रम के तहत प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। हुंदै ग्लोबल मोटर्स कंपनी और ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट को 20-20 गीगावॉट, जबकि रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर और राजेश एक्सपोर्ट्स को पांच-पांच गीगावॉट के लिए स्वीकृति दी गई है। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा, देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में वृद्धि आज एक अनुकूल नियामकीय ढांचे के कारण हुई है जिसने क्षेत्र में निवेश आकर्षित किया है। केंद्रीय मंत्री पांडेय ने कहा कि आज बड़ी कंपनियां भारत में इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण में निवेश कर रही हैं और हमसे जुड़ने की इच्छुक हैं। हमें इन्हें और प्रोत्साहन देना चाहिए और भारत को विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में प्रयास करते रहना चाहिए। गौरतलब है कि एसीसी और बैटरी भंडारण कार्यक्रम के लिए 10 कंपनियों ने अपने प्रस्ताव भेजे थे। इनके लिए भारी उद्योग मंत्रालय ने 22 अक्टूबर, 2021 को अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) जारी किया था। 22 अक्टूबर, 2021 को अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) जारी किया था। यह योजना 14 जनवरी तक आवेदन प्राप्त करने के लिए खुली थी और तकनीकी बोली 15 जनवरी को खोली गई थी।

संक्षिप्त समाचार

एडलवाइस का आवास ऋण देने के लिए एसबीआई से समझौता

नई दिल्ली । एडलवाइस हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (ईएचएफएल) ने स्वनियोजित उद्यमियों और वेतनभोगी ग्राहकों को प्राथमिकता क्षेत्र में आवास के` लिए कर्ज ऋण देने सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ साझेदारी की है। एडलवाइस फाइनेंशियल सर्विसेस की अनुषंगी ईएचएफएल ने कहा कि इस साझेदारी से दोनों साझेदारों को दूसरी और तीसरी श्रेणी के बाजारों में पहुंच का लाभ मिलेगा और ग्राहकों को आवास ऋण का समय रहते वितरण सुनिश्चित हो सकेगा। भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा` कि इस साझेदारी से हमारे वितरण नेटवर्क का विस्तार होगा। ईएचएफएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी रजत अवस्थी ने कहा` कि अपना घर होना एक बड़ी उपलब्धि होने के साथ-साथ हर एक भारतीय का सपना भी होता है। यह साझेदारी भारतीयों की इस गहरी आकांक्षा को पूरा करने में मददगार होगी।

एयरटेल ने 2015 स्पेक्ट्रम के लिए समय से पहले भुगतान किया

नई दिल्ली । दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने कहा कि उसने 2015 की नीलामी में हासिल किए गए स्पेक्ट्रम से संबंधित 8,815 करोड़ रुपए की राशि का सरकार को समय से पहले ही भुगतान कर दिया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह राशि वित्त वर्ष 2026-2027 और 2027-2028 तक देय थी। 2015 में हासिल स्पेक्ट्रम से संबंधित 8,815 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान समय से पहले कर दिया गया है। बीते चार महीने में एयरटेल निर्धारित तिथि से पहले ही 24,334 करोड़ रुपए का भुगतान कर चुकी है। इस राशि पर 10 प्रतिशत की दर से ब्याज लगता है।

चालू वित्त वर्ष में 43,500 करोड़ के पार जाएगा मोबाइल फोन निर्यात

नई दिल्ली । सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के समर्थन से चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत का मोबाइल फोन निर्यात 43,500 करोड़ रुपए के पार जा सकता है। उद्योग निकाय इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने यह जानकारी देते हुए कहा कि भारत का मोबाइल फोन निर्यात चालू वित्त वर्ष में अब तक लगभग 75 प्रतिशत बढ़कर 5.5 अरब डॉलर (लगभग 42,000 करोड़ रुपए) पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2020-21 के ओ खिर में यह 3.16 अरब डॉलर (लगभग 24,000 करोड़ रुपए) था। आईसीईए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि इस वित्त वर्ष में भारत का मोबाइल फोन निर्यात काफी आसानी से 5.7 अरब डॉलर को पार कर सकता है। आईसीईए के अनुसार भारत से एप्पल और सैमसंग के मोबाइल फोन का सबसे अधिक निर्यात किया गया और इसकी वजह से देश से बाहर भेजी जाने वाली खेप में बढ़ोतरी हुई।

महिलाओं के डिजिटल वित्तीय समावेश के लिए साथ आए फेडरल बैंक और आरबीआईएच

मुंबई । निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक ने केंद्रीय बैंक की अनुषंगी रिजर्व बैंक इनोवेशन हब के साथ साझेदारी की है। यह भागीदारी स्वनारी टेकस्प्रिंट कार्यक्रम के दूसरे चरण के लिए है। रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (आरबीआईएच) 18 से 22 अप्रैल तक स्वनारी टेकस्प्रिंट का आयोजन कर रहा है। इसका उद्देश्य देश में महिलाओं के स्वामित्व वाले उपक्रमों को स्मार्ट, सृजनात्मक और सतत समाधानों के जरिये आगे बढ़ाना है। फेडरल बैंक ने कहा कि टेकस्प्रिंट विशेषरूप में वित्तीय प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवा प्रदाताओं, नवोन्मेषकों को जोड़ने का काम करेगा। निजी बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हम स्वनारी पर रिजर्व बैंक इनोवेशन हब के साथ साझेदारी से खुश हैं। यह हमारा दृढ़ विश्वास है कि महिलाओं के अधिक वित्तीय समावेशन से हमें 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

26 से 28 तक रह सकते हैं बंद

नई दिल्ली । शनिवार 26 मार्च से लगातार चार दिन बैंक बंद 26 मार्च को माह का चौथा शनिवार और 27 मार्च को रविवार होने की वजह से बैंकों में छुट्टी वहीं 28-29 मार्च को विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने दो दिन की हड़ताल का आह्वान किया है। इससे बैंक सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है, एटीएम खाली रह सकते हैं। एसबीआई के अनुसार भारतीय बैंक संघ (आईबीए) ने उसे सूचित किया है कि ऑल इंडिया बैंक इंप्लॉइज एसोसिएशन (एआईबीईए), बैंक इंप्लॉइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीईएफआई) और ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (एआईबीओए) ने नोटिस देकर देशव्यापी हड़ताल पर जाने का फैसले के बारे में जानकारी दी है। हड़ताल का आह्वान सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण और बैंक कानून संशोधन विधेयक 2021 के विरोध में किया गया है। इस बार ग्रामीण बैंकों ने भी हड़ताल में शामिल होने की सहमति दी है। बैंक कानून संशोधन विधेयक 2021 के विरोध में किया गया है। इस बार ग्रामीण बैंकों ने भी हड़ताल में शामिल होने की सहमति दी है। ऑल इंडिया रीजनल रूरल बैंक इंप्लॉइज एसोसिएशन की तरफ से भी हड़ताल का नोटिस केंद्र सरकार को पिछले महीने भेज दिया गया है। यह हड़ताल मूलतः मजदूरों की है और इसका आह्वान केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने किया है। देश के 11 ट्रेड यूनियन हड़ताल को समर्थन दे रहे हैं। इनमें संगठित और असंगठित क्षेत्र के कामगार शामिल हैं।

पतंजलि का पांच साल में देश की प्रमुख एफएमसीजी कंपनी बनने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

पतंजलि आयुर्वेद समूह और उसकी अनुषंगी रुचि सोया का सम्मिलित वार्षिक कारोबार करीब 35,000 करोड़ रुपए है और यह अगले पांच वर्षों में भारत की प्रमुख एफएमसीजी कंपनी बनने का लक्ष्य लेकर चल रही है। बाबा रामदेव ने हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पतंजलि आयुर्वेद अपने सभी खाद्य कारोबार को सूचीबद्ध इकाई रुचि सोया इंडस्ट्रीज में मिलाएगी। हमने पतंजलि आयुर्वेद और रुचि सोया को अगले पांच वर्षों में भारत की सबसे बड़ी खाद्य एवं एफएमसीजी कंपनी बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने दावा किया कि पतंजलि आयुर्वेद फिलहाल देश की दूसरी बड़ी खाद्य एवं एफएमसीजी कंपनी है। पतंजलि समूह की कई कंपनियों का आने वाले समय में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाया जाएगा लेकिन उन्होंने इसकी कोई समयसीमा नहीं बताई। बाबा रामदेव ने समूह की मौजूदा राजस्व स्थिति के बारे में पूछे जाने पर कहा` कि रुचि सोया को मिलाकर पतंजलि समूह का साझा कारोबार 35,000 करोड़ रुपए से अधिक है और यह खाद्य एवं एफएमसीजी क्षेत्र में दूसरे स्थान पर है। वित्त वर्ष 2020-21 में पतंजलि समूह का कारोबार करीब 30,000 करोड़ रुपए था। समूह ने वर्ष 2019 में दिवालिया प्रक्रिया के तहत रुचि सोया का अधिग्रहण किया था। पतंजलि और रुचि सोया के बीच किसी तरह की प्रतिस्पर्धा से इनकार करते हुए बाबा रामदेव ने कहा` कि अगले कुछ महीनों में पतंजलि अपने सभी खाद्य कारोबार को रुचि सोया को सौंप देगी। उसके बाद पतंजलि आयुर्वेद गैर-खाद्य, परंपरागत औषधि कारोबार में भी सक्रिय रहेगी।

उन्होंने कहा कि रुचि सोया खाद्य तेल, खाद्य एवं एफएमसीजी, पोषण और पाम उत्पादन कारोबार पर ध्यान केंद्रित करेगी।

सरकार ने देश में रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने को 107 उत्पादों के आयात पर 'अंकुश' लगाया

नयी दिल्ली ।

रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को आयात पर अंकुशों को लेकर 107 उप-प्रणालियों और उपकरणों की नई सूची जारी की। इसका मुख्य मकसद देश में विनिर्माण को बढ़ावा देना है। इस पाबंदी के तहत दिसंबर, 2022 से शुरू होने वाली छह साल की अवधि के दौरान अलग-अलग समयावधि से इनके आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भर होने के निरंतर प्रयास तथा आत्मनिर्भर भारत के तहत रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक प्रतिष्ठानों के आयात को कम करने के मकसद से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 107 लाइन रिप्लेसमेंट यूनिटों (एलआरयू)/उप-प्रणालियों की मंजूरी दी गई है। यह मंजूरी समयसीमा के साथ दी गई है, जिसके बाद उनके आयात पर प्रतिबंध रहेगा।'' बयान के अनुसार, इन यूनिटों/उप-प्रणालियों का आने वाले वर्षों में देश में ही विनिर्माण किया जाएगा और निर्धारित समयसीमा के बाद इन्हें केवल भारतीय उद्योग से ही खरीदा जाएगा। सूची में हेलीकॉप्टर, पनडुब्बी, टैंक, मिसाइल और संचार प्रणाली आदि के उत्पादन में लगने वाले जरूरी उपकरण शामिल हैं। इनमें से कई उपकरणों और प्रणालियों की खरीद फिलहाल रूस से की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल दिसंबर में रक्षा मंत्रालय ने निर्धारित समयावधि से आयात पर पाबंदी को लेकर 2,851 उप-प्रणालियों और कलपुर्जों की सूची जारी की थी। नई सूची में आयात प्रतिबंध के लिये चिन्हित कुछ कलपुर्जों और उप-प्रणालियों का उपयोग देश में विकसित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच), हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच), हल्के उपयोगी हेलीकॉप्टर (एलयूएच), इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, एस्ट्रा मिसाइल, टी-90 टैंक और सैन्य लड़ाकू वाहन के निर्माण के लिये किया जाता है। रक्षा मंत्रालय की सूची में 22 वैसे उत्पाद शामिल हैं जिन्हें सार्वजनिक क्षेत्र की हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) बनाएगी। जबकि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड 21 उप-प्रणालियों का देश में विनिर्माण करेगी। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स जहाजों और पनडुब्बियों के निर्माण में उपयोग किये जाने वाले छह उपकरणों और उप-प्रणालियों का विनिर्माण देश में करेगी। वहीं भारत डायनेमिक्स लिमिटेड को एस्ट्रा मिसाइल के लिए चार कलपुर्जों के स्वदेशीकरण का काम सौंपा गया है। जबकि बीईएमएल लिमिटेड के जिम्मे 12 उपकरण आये हैं। मंत्रालय ने कहा कि इन वस्तुओं का स्वदेशीकरण मेक श्रेणी के तहत रक्षा कि सरकार ने देश में रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिये कई स्तर पर हथियारों के सबसे बड़े आयातकों में से एक है। एक अनुमान के मुताबिक, भारतीय सशस्त्र बलों के अगले पांच साल में पूंजीगत खरीद में लगभग 130 अरब डॉलर खर्च करने का अनुमान है।

अप्रैल में लांच होगा स्मार्ट गैलेक्सी एम33 5जी

नई दिल्ली । भारत में साउथ कोरियाई कंपनी सैमसंग अपने लेटेस्ट एम सीरीज स्मार्टफोन गैलेक्सी एम33 5जी को अप्रैल में लॉन्च कर सकती है।उद्योग के सूत्रों के अनुसार, एम33 5जी, 2022 में भारत में लॉन्च होने वाला सैमसंग का पहला एम सीरीज डिवाइस होगा। गैलेक्सी एम33 5जी के 2022 में लॉन्च होने वाला अब तक का सबसे शक्तिशाली एम सीरीज फोन होने की भी संभावना है। गैलेक्सी एम33 5जी के सुचारू मोबाइल अनुभव के लिए 5 एनएम ऑक्टा-कोर प्रोसेसर द्वारा संचालित होने की खबर है। सूत्रों ने कहा कि स्मार्टफोन में 6000 एमएएच की बड़ी बैटरी होने की संभावना है। गैलेक्सी एम33 5जी की कीमत आक्रामक रूप से 20,000 रुपये से कम होने की उम्मीद है, जो देश में सैमसंग के मिड-सेगमेंट पोर्टफोलियो को मजबूत करता है। इससे पहले सैमसंग ने भारतीय बाजार में अपना नया स्मार्टफोन गैलेक्सी एम52 5जी लॉन्च किया था। गैलेक्सी एम52 5जी में 6.7 इंच का एफएचडी प्लस सुपर एमोएलईडी प्लस डिस्प्ले है। यह 120 हट्र्ज रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करता है और इसका आस्पेक्ट रेशियो 20:9 है। मिड-रेंज डिवाइस आउट ऑफ द बॉक्स एंड्रॉइड 11 के साथ आता है। ऑप्टिक्स के संदर्भ में, 12 एमपी सेकेंडरी सेंसर और 5 एमपी मैक्रो सेंसर के साथ 64 एमपी ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप है। आगे की तरफ 32 एमपी का सेल्फी कैमरा है। नया सैमसंग गैलेक्सी एम52 5जी 25 वॉट फास्ट चार्जिंग के समर्थन के साथ 5,000 एमएएच की बैटरी पैक करता है।हुड के तहत, फोन क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 778जी प्रोसेसर द्वारा संचालित है, स्नैपड्रैगन 778जी प्रोसेसर द्वारा संचालित है, जिसमें 8 जीबी तक रैम और 128 जीबी स्टोरेज है।

इग्निस और एक्स-प्रेसो ड्यूलजेट इंजन के साथ आएगी बाजार में

दोनों कारें है मारुति सुजुकी की बजट कारें

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी अपनी बजट कारों को ड्यूलजेट इंजन के साथ लॉन्च करने वाली है। कंपनी मारुति सुजुकी इग्निस और मारुति सुजुकी एक्स-प्रेसो को ड्यूलजेट इंजन के साथ बाजार में उतारेगी। ये दोनों कारें कंपनी की बजट कारें हैं जिनका भारतीय बाजार में अच्छा खासा कस्टमर बेस है। मारुति अपने सेलेरियो, स्वीफ़्ट, वेगनआर, बलेनो और डीजायर मॉडल्स में 1.2 एल डयूलजेट के12सी इंजन का इस्तेमाल करती है जो आइडल स्टार्ट-स्टॉप टेक्नॉलजी के साथ आते हैं।मारुति एस-प्रेसो में मौजूदा समय में 1.0एल के10बी पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल किया जाता है जो 68द्धश्च पावर जेनेरेट करता है और कंपनी इसे के10सी डूअलजेट से रिप्लेस करने वाली है।वहीं इग्निस में 1.2 एल के12 एन इंजन का इस्तेमाल किया जाएगा। वहीं इग्निस में 1.2 एल के12 एन इंजन का इस्तेमाल किया जाएगा। मौजूदा मॉडल में 1.2 एल के12एम यूनिट का यूज किया जाता है जो 83बीएचपी पावर जेनेरेट करती है।

इन दोनों कारों के इंजन में बदलाव जरूर देखने क मिलेगा लेकिन इन दोनों ही बजट कारों के लुक और डिजाइन लैंग्वेज में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा और न ही इनमें कोई फीचर अपग्रेड किया जाएगा। आपको बता दें मारुति अपनी कई कारों को सीएनजी के साथ भी लॉन्च करने जा रही है। इसमें सियाज, बलेनो और अर्टिगा एमपीवी जैसी कारें शामिल है।

पेट्रोल और डीज़ल फिर 80 पैसे प्रति लीटर बढ़ा

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में शुक्रवार को एक बार फिर 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। चार दिनों में तीसरी बार कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की तरफ से जारी मूल्य अधिसूचना के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 97.01 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर अब 97.81 रुपए प्रति लीटर और डीज़ल की कीमत 88.27 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 89.07 रुपए हो गई है। पेट्रोल तथा डीज़ल की कीमतें रिकॉर्ड 137 दिन तक स्थिर रहने के बाद 22 मार्च को बढ़ाई गई थीं। इसके बाद 23 मार्च को भी इनकी कीमतों में प्रति लीटर 80 पैसे की बढ़ोतरी की गई थी। उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले चार नवंबर, 2021 से ही पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें स्थिर बनी हुई थीं। हालांकि इस अवधि में कच्चे तेल की कीमत 30 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ गई थी। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के साथ ही पेट्रोल एवं डीज़ल के दाम में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन पेट्रोलियम कंपनियों ने कुछ दिन और इंतजार किया। ऐसा कहा जा रहा है कि अब पेट्रालियम विपणन कंपनियां अपने घाटे की भरपाई कर रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हार्दिक कर सकते हैं पारी की शुरुआत : पंड्या

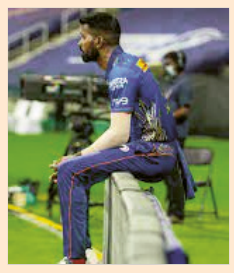

नई दिल्ली । ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नई टीम गुजरात टाइटन्स की कप्तानी करते नजर आये। हार्दिक आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में अपनी वापसी का भी दावा पेश करना चाहेंगे। वहीं टीम के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा है कि इस बार हार्दिक उनके साथ पारी की शुरुआत भी कर सकते हैं जबकि अब तक वह मध्य क्रम में ही बल्लेबाजी करते रहे हैं। शुभमन अपने क्वारंटीन की अवधि पूरी कर टीम के साथ जुड़े हैं। शुभमन ने साथी खिलाड़ियों के साथ अभ्यास भी किया। जिसका एक वीडियो भी गुजरात फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। इस वीडियो में शुभमन ने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने टीम से जुड़ने पर मेरा स्वागत किया , इससे क्वारंटीन से बाहर आना और टीम के साथ जुड़कर अभ्यास करने का मेरा अनुभव और अच्छा हो गया। मैच अभ्यास से भी मुझे लाभ मिला है और ऐसे में आने वाले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। आईपीएल में गुजरात टाइटन्स का पहला मुकाबला 28 मार्च को दूसरी नई लखनऊ सुपरजायंट्स से होगा।

महिला विश्वकप :

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया

वेलिंगटन । ऑस्ट्रेलिया ने एकदिवसीय महिला विश्व कप क्रिकेट के अपने सातवें लीग मुकाबले में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर अपने सभी मैच जीत लिए हैं। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम अंकतालिका में नंबर एक स्थान पर पहुंचने के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। इस मैच में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। बारिश की बाधा के कारण इस मैच के ओवरों को घटाकर इसे 43 ओवर का कर दिया गया था। बांग्लादेश टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर केवल 135 रन ही बना पायी। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 136 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बेथ मूनी के नाबाद 66 रनों की सहायता से 32.1 ओवर में ही पांच विकेट पर 136 रन बनाकर जीत हासिल की। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। ऑफ स्पिनर सलमा खातून ने 23 रन देकर तीन विकेट लिए जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 50 रनों के अंदर ही अपने चार विकेट गंवा दिये। इसके बाद बेथ मूनी ने अनाबेल सदरलैंड के साथ 66 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। अनाबेल ने 26 रन बनाये। वहीं बांग्लदेश की ओर से सलमा खातून ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शीर्ष खिलाड़ियों एलिसा हीली 15, राचेल हेन्स 7 और कप्तान मेग लैनिंग को खाता खोल बिना ही पेवेलियन भेज दिया। वहीं इसके बाद नाहिदा अख्तर ने ताहिला मैकग्रा को 3 रन पर आउट करके स्कोर चार विकेट पर 41 रन कर दिया जो गार्डनर 13 के आउट होने से पांच विकेट पर 70 रन हो गया। इसके बाद मूनी और सदरलैंड ने किसी ओर नुकसान के बिना ही अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस हार के साथ ही बांग्लादेश टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की अंतिम संभावना भी समाप्त हो गयी। इससे पहले बल्लेबाजी के दौरान बांग्लादेश की टीम स्पिनर एशलीग गार्डनर और जेस जोनासेन के सामने टिक नहीं पायी। गार्डनर ने 23 रन देकर दो जबकि जोनासेन ने 13 रन देकर दो खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा। इस मैच में बांग्लादेश की फरगाना हक ने आठ रनों की अपनी पारी के दौरान ही एकदिवसीय में अपने 1000 रन पूरे किये। यह आंकड़ा हासिल करने वाली वह बांग्लादेश की पहली महिला खिलाड़ी हैं। वहीं शरमीन अख्तर 24 रन बनाकर आउट हुई। वहीं शरमीन अख्तर 24 रन बनाकर आउट हुई। कप्तान निगार सुल्ताना केवल सात रनों पर ही पेवेलियन लौट गयीं। लता मंडल ने सबसे ज्यादा 33 बनाये। रूमाना अहमद 15 और सलमा खातून भी 15 रन बनाकर नाबाद रहीं।

लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल मुकाबलों के लिए तैयार : रघु

लखनऊ । लखनऊ सुपर जायंट्स के सीईओ रघु अय्यर ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पहली बार भाग ले रही उनकी टीम पर किसी प्रकार का कोई दबाव नहीं हैं और वह जीत के इरादे से उतरेगी। रघु ने माना है कि टीम नई है पर कहा कि सभी खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक रूप से मुकाबले के लिए तैयार हैं। साथ ही कहा कि नई टीम होने के नाते दवाब में होने की बात कहना तर्कसंगत नहीं है। कप्तान लोकेश राहुल की कप्तानी वाली टीम के सभी सदस्य बेहद अनुभवी है और अच्छे प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास एक अच्छी टीम है जिसमें अच्छे बल्लेबाज , गेंदबाज और ऑलराउडरं खिलाड़ी हैं। इसके साथ ही हमारे खिलाड़ी उत्साह से भरे हुए हैं जो अगले डेढ़ माह तक किसी भी मैदान पर जीत हासिल कर सके हैं। लखनऊ के कमान युवा लोकेश राहुल हैं। इसके अलावा टीम के पास कई बेहतरीन खिलाड़ी भी हैं। सुपर जायंट्स का पहला मुकाबला 28 मार्च को गुजरात टाइटंस टीम से वानखेड़े स्टेडियम में होगा। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम इस प्रकार है : लोकेश राहुल, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, क्विंटन डी कॉक, दीपक हुड्डा, मनीष पांडे, क्रुणाल पांड्या, जेसन होल्डर, मार्क वुड, अवेश खान, अंकित राजपूत, के गौतम, दुष्मंत चमीरा, शाहबाज नदीम, मनन वोहरा, मोहसिन खान, आयुष बडोनी, करण शर्मा, एविन लुईस, मयंक यादव, काइल मेयर्स।

डुप्लेसिस ने कहा , विराट का अनुभव किसी से कम नहीं

मुम्बई । फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के नये कप्तान बने फॉफ डुप्लेसिस ने पूर्व कप्तान विराट कोहली की सराहना करते हुए कहा है कि वह भारतीय क्रिकेट और आरसीबी के लिए बहुत अच्छे नेता रहे हैं और उनका अनुभव और ज्ञान किसी से कम नहीं है। फॉफ ने कहा कि वह अपने को बहुत भाग्यशाली पाते हैं क्योंकि आरसीबी की एक मजबूत टीम उन्हें मिली है जिसका श्रेय विराट को जाता है। विराट ने गत वर्ष आईपीएल 2021 के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ दी थी जिसके बाद यह जिम्मेदारी दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डु प्लेसिस को सौंप दी गई थी। डुप्लेसिस को फ्रैंचाइजी ने 7 करोड़ रुपए में खरीदा था। अब टीम के नये कप्तान के रूप में फॉफ के सामने बड़ी जिम्मेदारी आईपीएल खिताब जीतना रहेगी। स्टार खिलाड़ियों के होते हुए भी आरसीबी अभी तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी है। कप्तानी की अतिरिक्त जिम्मेदारियों को लेकर उन्होंने कहा कि हमेशा एक उम्मीद होती है कि आप जितना हो सके उतना अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास करें। यह थोड़ी अतिरिक्त जिम्मेदारी के साथ आता है, कुछ लोग कह सकते हैं कि यह थोड़ा अतिरिक्त दबाव है पर मेरे लिए भाग्यशाली है कि मैं लंबे समय से आसपास रहा हूं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में और आईपीएल क्रिकेट में भी, तो मेरे पास वह है अनुभव जो इसके साथ आता है। उन्होंने टीम के अन्य खिलाड़ियों ग्लेन मैक्सवेल और दिनेश कार्तिक की भी प्रशंसा की और कहा कि इन खिलाड़ियों की बदौलत ही उन्हें खिताब जीतने की उम्मीद है।

तोक्यो ओलंपिक के बाद बजरंग पूनिया को नहीं मिला कोई फिजियो, दर-दर भटकने को मजबूर

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष पहलवान बजरंग पूनिया को अपनी चोटों से तेजी से उबरने के लिए किसी फिजियो की सेवाएं नहीं मिल रही हैं। तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ने फिजियो की सेवाए लेने के लिए पिछले कुछ महीनों में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई), खेल एनजीओ जेएसडब्ल्यू और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के दरवाजे खटखटाए लेकिन अभी तक अधिकारियों से उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है। बजरंग का कहना है कि अगर उनके पास व्यक्तिगत फिजियोथेरेपिस्ट होता तो वह दो प्रतियोगिताओं में खेल सकते थे जिसमें एक रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट था। सोनीपत में जनवरी के अंत में राष्ट्रीय शिविर शुरू होने के समय ट्रेनिंग के दौरान उनके बाएं घुटने में खिंचाव होने लगा जिसके कारण वह तुर्की में यासर डोगू रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट में नहीं खेल सके। वह ईरान में अपने कोच सुजीत मान के साथ दो हफ्ते तक रहे लेकिन फिजियो नहीं होने की वजह से उनकी चोट से उबरने की प्रक्रिया में देरी हुई। बजरंग ने आगामी एशियाई चैम्पियनशिप के लिये 65 किग्रा ट्रायल जीतने के बाद पत्रकारों से कहा कि मैं एक डॉक्टर के साथ गया था लेकिन अच्छा होता कि अगर मेरे पास फिजियो होता। मैंने सारा रिहैब खुद ही किया। अगर मेरे पास फिजियो होता तो मैं तेजी से उबर सकता था और उन टूर्नामेंट में खेल सकता था। मैं तोक्यो ओलंपिक के बाद से ही फिजियो के बिना हूं। एक अमोदित्य नाम के फिजियो थे, लेकिन उनका निधन हो गया। मैंने डब्ल्यूएफआई, जेएसडब्ल्यू और साइ से भी पूछा लेकिन अभी तक कोई फिजियो नहीं मिला है। महासंघ के सहायक सचिव विनोद तोमर ने पीटीआई से कहा कि उन्हें बजरंग को फिजियो देने में कोई परेशानी नहीं है, बल्कि उन्होंने उनके अनुरोध को मंजूरी दे दी लेकिन रेलवे ने उस फिजियो को देने से इनकार कर दिया जिन्हें यह पहलवान चाहता था। बजरंग रेलवे के फिजियो आनंद दुबे की मदद लेना चाहते थे लेकिन पता चला है कि रेलवे की ऐसी कोई नीति नहीं है कि वह अपने स्टाफ को व्यक्तिगत सेवाओं के लिये दे दे। दुबे ने तोक्यो ओलंपिक के दौरान बजरंग की मदद की थी जो भारतीय टेनिस टीम के साथ थे। वह भारतीय कुश्ती टीम की मदद के लिये उनके साथ रूके थे।

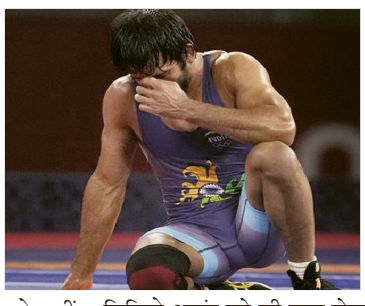

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट में पाक को हराकर सीरीज जीती

लाहौर । ऑस्ट्रेलिया ने लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ हुए तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के साथ ही तीन टेस्ट मैचों की सीरीज 1-0 से जीत ली है। इस मैच में पाकिस्तान टीम को जीत के लिए ऑस्ट्रेलिया ने 351 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए पाक टीम अपनी दूसरी पारी में 235 रन पर ही ऑल आऊट हो गई। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया ने 115 रनों से यह मैच जीत लिया। इस मैच में पाक कप्तान बाबर आजम से बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह भी 55 रनों पर आउट हो गये। सबसे ज्यादा 70 रन इमाम उल हक ने बनाये। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया टीम ने पहले खेलते हुए अपनी पहली पारी में 391 रन बनाए थे। जिसके बाद पाक टीम अपनी पहली पारी में 268 रनों ही बना पायी। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को 123 रनों की बढ़त मिल गयी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने उसमान ख्वाजा के शतक की सहायता से अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 227 रन बनाकर घोषित कर दी ओर पहली पारी की बढ़त के आधार पर पाक टीम को जी के लिए 351 रनों का लक्ष्य दिया। जिसके जवाब में पाकिस्तानी टीम ने अच्छी शुरूआत की पर इसके बाद उसके बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने बिखर गये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन लियोन ने पांच जबकि पैट कमिंस ने तीन विकेट विकेट लिए। एक विकेट कैमरुन ग्रीन को मिला। इस सीरीज के पहले दोनो मैच ड्रॉ रहे थे।

मुंबई इंडियंस जीत सकती है आईपीएल खिताब : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि इस बार मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल खिताब जीत सकती है। गावस्कर ने कहा कि मुम्बई के पास रोहित शर्मा जैसे शानदार कप्तान होने के साथ ही जसप्रीत बुमराह जैसा तेज गेंदबाज भी है। ऐसे में टीम को जीत दर्ज करने में अधिक परेशानी नहीं आनी चाहिये। साथ ही कहा कि मुंबई पहले से ही काफी संतुलित टीम रही है और उसे इसका लाभ इस बार भी मिलेगा। गावस्कर ने कहा कि क्विंटन डी कॉक, हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी इस बार मुम्बई के पास नहीं हैं पर इससे फक्ते हुए कहा कि टीम के पास मध्यक्रम में टिककर रन बनाने वाले बल्लेबाज नहीं हैं पर गेंदबाजी को उन्होंने ठीक करार दिया। गावस्कर ने यह भी कहा कि टीम के पास हार्दिक और शुभमन गिल जैसे पावर हिटर हैं टीम के पास हार्दिक और शुभमन गिल जैसे पावर हिटर हैं पर उनसे अधिक उम्मीद नहीं की जा सकती है। इससे बल्लेबाजी क्रम असंतुलित हो जाता है। इसी को देखते हुए यह साफ है कि गुजरात टीम ज्यादा सफल नहीं रहेगी।

13 साल के खिताबी सूखे को समाप्त करेंगे : बटलर

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का कहना है कि उनकी टीम इस बार अपने 13 साल के खिताबी सूखे को समाप्त करने के इरादे से उतरेगी। राजस्थान की टीम ने 2008 में आईपीएल के पहले सत्र में जीत दर्ज की थी पर पिछले 13 साल से वह इसमें नाकाम रही है। ऐसे में अब उसका इरादा दोबारा जीत दर्ज करना रहेगा। बटलर का कहना है कि शनिवार से शुरू हो रही इस प्रतिष्ठित टी20 लीग में उनकी टीम दोबारा ट्रॉफी जीतने में सक्षम है। राजस्थान की टीम अपना पहला मुकाबला 29 मार्च को पुणे में सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी। राजस्थान की टीम ने आईपीएल 2022 नीलामी से पहले संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल के साथ जोस बटलर को भी टीम में बरकरार रखा था। बटलर ने कहा कि वह तरोताजा महसूस कर रहे हैं और इस साल टीम को खिताब दिलाने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। साथ ही कहा , ' आप जिस टीम को जानते हैं, उसके साथ नए सत्र की शुरुआत करना, नई टीम गठित करना वास्तव में रोमांचक है। हमारा लक्ष्य आईपीएल जीतना है और मैं उसमें योगदान देने के लिये मैं अब इंतजार नहीं कर सकता।' राजस्थान की टीम में अनुभवी ऑफ स्पिनर आर अश्विन और लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी हैं। अश्विन और चहल को लेकर बटलर ने कहा, 'हमारी टीम में कई अनुभवी खिलाड़ी हैं। अश्विन और चहल जैसे सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हमारे पास हैं। इसके अलावा टीम का गेंदबाजी आक्रमण भी अच्छा है। इसके अलावा टीम के पास कई अच्छे बल्लेबाज और ऑलराउंडर भी हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो टीम काफी संतुलित है। इसलिए मुझे लगता है कि हमारे लिये यह वास्तव में रोमांचक आईपीएल रहेगा।' इसी कारण फ्रेंचाइजी ने जब उन्हें बरकरार रखा तो उन्हें काफी खुशी हुई।

आईपीएल में राजस्थान की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं मिशेल

मुंबई । न्यूजीलैंड केऑल राउंडर डेरिल मिशेल का मानना है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में समय के साथ ही पिचें धीमी होंगी। ऐसे में उस टीम को लाभ होगा जो इसके अनुरुप अपने को ढ़ाल लेगी। अपने पहले आईपीएल सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलने जा रहे मिशेल ने कहा, 'मुझे लगता है कि जैसे जैसे लीग चरण समाप्त होगा, पिचें धीमी होंगी । ऐसे में हमें पिच के अनुरुप ढ़लते हुए सही तरीके से खेलना होगा। राजस्थान रॉयल्स ने मिशेल को 75 लाख रूपए में खरीदा था और अब वह हर प्रकार से टीम की जीत में अपनी ओर से योगदान देना चाहता है। इस क्रिकेटर ने कहा, 'मेरा लक्ष्य है कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाऊं। मुझे गर्व है कि मैं यहां राजस्थान रॉयल्स का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं और टीम को मैदान के अंदर सहायता देने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ करूंगा। मिशेल इसके अलावा साथ क्रिकेटर नाथन कूल्टर नाइल और श्रीलंका के महान क्रिकेटर लसिथ मलिंगा के साथ खेलने को लेकर भी उत्साहित हैं। मलिंगा राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच हैं। कूल्टर ने अपने पूर्व मुंबई इंडियंस साथी मलिंगा के बारे में कहा, 'वह अविश्वसनीय है, जब मैं मुंबई में था तो उन्हें गेंदबाजी करते हुए देखना शानदार रहा था ।

रविन्द्र जडेजा के कप्तान बनने पर सुरेश रैना का ट्विट- भाई के लिए रोमांचित हूं

खेल डैस्क । चेन्नई सुपर किंग्स की बागडोर अब रविंद्र जडेजा के हाथ में आ गई है। महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल 2022 की शुरूआत से कुछ दिन पहले ही कप्तानी छोडने् की घोषणा कर दी। जडेजा के कप्तान बनने के बाद उनके साथी सुरेश रैना ने ट्विटर पर प्रतिक्रिया देते हुए खुशी जाहिर की है। रैना का जडेजा और धोनी दोनों से अच्छा लगाव रहा है। बहरहाल, जडेजा ने ट्विट में लिखा है- मेरे भाई के लिए बिलकुल रोमांचित हूं। मैं किसी ऐसी फ्रेंचाइजी की बागडोर संभालने के लिए बेहतर किसी के बारे में नहीं सोच सकता, जिसमें हम दोनों पले-बढ़े थे, शुभकामनाएं। रैना ने आगे लिखा कि यह एक रोमांचक दौर है और मुझे यकीन है कि आप सभी उम्मीदों और प्यार पर खरे उतरेंगे। जडेजा की अगर बात की जाए तो इस सीजन में सबकी नजरें उनपर बनी हुई हैं। चेन्नई ने जडेजा को 16 करोड़ रुपए की मोटी राशि देकर रिटेन किया था। इसके साथ ही वह विराट कोहली और रोहित शर्मा की वैल्यू वाले कप्तानों में आ गए हैं। जडेजा का हालिया प्रदर्शन काफी अच्छा है। श्रीलंका के खिलाफ हुए दो टेस्ट मैच के दौरान उनके बल्ले के अलावा गेंद से भी बढिया प्रदर्शन देखने के मिला था। रैना की अगर बात की जाए तो उन्हें आईपीएल मेगा ऑक्शन 2022 में कोई खरीदार नहीं मिला। उम्मीद थी कि चेन्नई टीम उनपर बोली लगाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रैना अब आईपीएल की हिंदी कमेंट्री टीम में जुड़ेंगे। अपनी नई यात्रा से रैना बेहद खुश हैं। उनका कहना है कि वह क्रिकेट के साथ जुड़े रहना चाहते हैं। वह अपने आगामी काम के लिए बेहद उत्साहित हैं। उम्मीद थी कि चेन्नई टीम उनपर बोली लगाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रैना अब आईपीएल की हिंदी कमेंट्री टीम में जुड़ेंगे। अपनी नई यात्रा से रैना बेहद खुश हैं। उनका कहना है कि वह क्रिकेट के साथ जुड़े रहना चाहते हैं। वह अपने आगामी काम के लिए बेहद उत्साहित हैं। महेंद्र सिंह धोनी, दीपक चाहर, मोइन अली, रविन्द्र जडेजा (कप्तान), अम्बाती रायडू, ऋतुराज गायकवाड़, ड्वेन ब्रावो, शिवम दुबे, रॉबिन उथप्पा, तुषार देशपांडे, केएम आसिफ, राजवर्धन हंगारगेकर, सिमरजीत सिंह, डेवोन कॉनवे, ड्वेन प्रिटोरियस, मिचेल सैंटनर, एडम मिल्ने, सुभ्रांशु सेनापति, मुकेश चौधरी, प्रशांत सोलंकी, सी हरी निशांत, एन सुभ्रांशु सेनापति, मुकेश चौधरी, प्रशांत सोलंकी, सी हरी निशांत, एन जगदीशन, क्रिस जॉर्डन, के भगत वर्मा, माहीश तीक्ष्णा।

टाटा आईपीएल शनिवार से शुरु होगा , खिताब के लिए उतरेंगी दस टीमें

दर्शकों को भी मिलेगा प्रवेश

मुंबई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 15 वां सत्र शनिवार से यहां शुरु हो रहा है। इस बार आईपीएल की प्रायोजक टाटा है क्योंकि चीनी कंपनी विवो को हटाये जाने के बाद टाटा ने दो साल के लिए करार किया है। ऐसे में यह टूर्नामेंट टाटा आईपीएल के नाम से जाना जाएगा। इस बार आईपीएल में आठ की जगह दस टीमें भाग लेंगीं । दो नई टीमें लखनऊ सुपरजायंट्स और गुजरात टाइटन्स शामिल की गयी हैं। लखनऊ की कप्तानी लोकेश राहुल जबकि गुजरात की हार्दिक पंड्या के पास है। आईपीएल का पहला मुकाबला मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और गत उप विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच होगा। इस बार का आईपीएल इसलिए विशेष है क्योंकि इसमें दर्शक भी नजर आयेंगे। इससे पहले हुए आईपीएल में कोरोना महामारी के खतरें को देखते हुए दर्शकों को प्रवेश नहीं मिला था। कोरोना पर नियंत्रण के बाद यह पहली बार होगा जब दर्शक स्टेडियम में नजर आयेंगे हालांकि उन्हें कोविड नियमों का पालन करना पड़ेगा। आईपीएल के सभी मैच भारत में खेले जाएंगे और स्टेडियम की क्षमता के 25 फीसदी दर्शकों को इसमें प्रवेश मिलेगा जबकि पिछली आईपीएल दो चरणों में खेला गया था। तब पहला चरण भारत में हुआ था और दूसरा यूएई में खेला गया था। इस बार दो नई टीम के शामिल होने से मैचों की कुल संख्या 60 से बढ़कर 74 पहुंच गई है। ऐसे में अब यह टूर्नामेंट दो महीने से भी अधिक समय तक चलेगा। इसमें सभी टीमों को लीग चरण में 14 मैच खेलने होंगे। आयोजन समिति ने इस बार संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए सभी लीग मैच मुंबई और पुणे के तीन स्थानों पर ही रखे हैं , ऐसे में पिच क्यूरेटर का काम जरुर बढ़ जाएगा पर खिलाड़ियों को कम यात्राएं करनी पड़ेगी। आईपीएल में खेल रहे दुनिया भर के खिलाड़ियों को इससे आस्ट्रेलिया में होने वाली टी20 विश्व कप के पहले अपने प्रदर्शन की समीक्षा का भी मौका मिलेगा। वहीं भारतीय टीम में जगह बनाने या वापसी के प्रयासों में लगे खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन को दिखाने का भी अवसर मिला है।

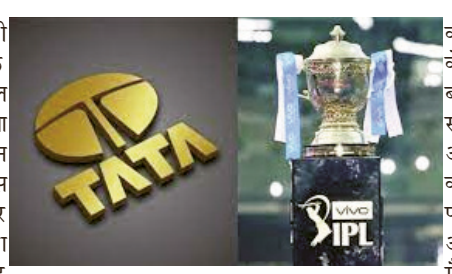

वहीं पांच बार की विजेता मुंबई इंडियन्स की टीम को अपने घरेलू मैदान पर खेलने का अवसर मिलेगा पर मुम्बई के कप्तान रोहित शर्मा ने इसके अतिरिक्त लाभ मिलने की संभावनाओं को खारिज कर दिया है। वहीं टीम में शामिल सूर्यकुमार यादव, कीरोन पोलार्ड, जसप्रीत बुमराह और इशान किशन इन हालातों का पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। दूसरी ओर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की नजरें अपने पूर्व कप्तान विराट कोहली के प्रदर्शन पर रहेंगी। आरसीबी इस बार फाफ डु प्लेसी की कप्तानी में पहली जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का यह अंतिम आईपीएल हो सकता है। धोनी ने गुरुवार को ही अचानक कप्तानी छोड़ दी थी और इसके बाद उनकी जगह रविंद्र जडेजा को नया कप्तान बनाया गया है। अब जडेजा का लक्ष्य अपने को साबित करना रहेगा।

वहीं आईपीएल में कप्तानी कर रहे चार युवा खिलाड़ियों श्रेयस अय्यर, लोकेश राहुल, हार्दिक पंड्या और मयंक अग्रवाल की नेतृत्व क्षमता का भी इस बार पता चलेगा। आईपीएल को सफल बनाने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी इंतजाम किये हैं। इस बार इन खेलों का प्रयोजन टाटा कर रही है।

मशरूम की खेती

मशरूम की खेती हजारों वर्षों से विश्वभर में भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ हृदय और हृदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है।

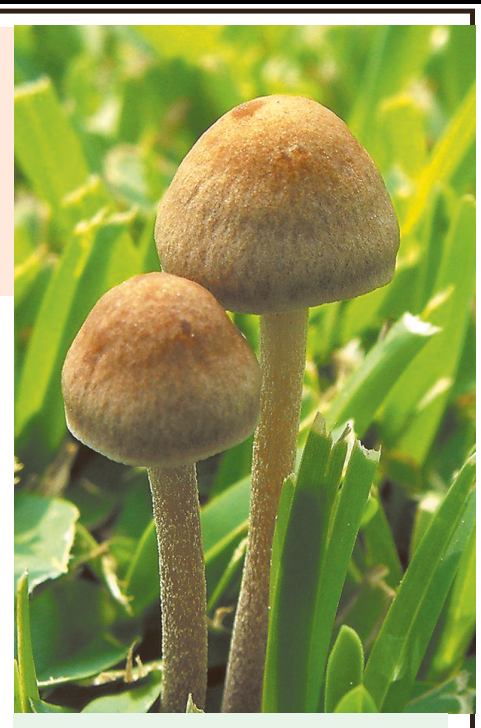

मशरूम उत्पादन तकनीकी

पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

भारत में मशरूम की प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूड़ा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है।

आम वाईट बटन मशरूम

आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्ररोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) = 150-180 डिग्री से; नमी= 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अत=100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

ऑएस्टर मशरूम

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ = प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।

लकड़ी के सांचे - 45.30.15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44.29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

टाट के बोरे

स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

एक स्प्रेयर कैसे करें

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा।

कूड़ा खाद तैयार करना

गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिगनिन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूड़ा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्टूटे को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूड़ा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं।

अत=, इन सबस्टूट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्ग100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठयमान कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंत्तर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयत= सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी।

प्रणाली

छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयत= सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है।

अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयत= दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0ङ्ग2.5ङ्ग2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें।

चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-डुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए।

बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए।

अब क्या करें

लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए।

स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुन= स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए।

आगे क्या करें

अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए।

बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

यह भी करें

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

परिरक्षण

मशरूम को ताजा खाया जा सकता है अथवा इसे सुखाया जा सकता है। चूंकि वे शीघ्र ही नष्ट हो जाने वाले प्रकृति के होते हैं तो आगे के इस्तेमाल अथवा दूरस्थ विपणन के लिए उनका परिरक्षण आवश्यक है। ओयेस्टर मशरूम को परिरक्षित करने का सबसे पुराना एवं सस्ता तरीका है धूप में सुखाना।

गर्म हवा में सुखाना कारगर उपयोग है जिसके द्वारा मशरूम को डिहाइड्रेटर (स्थानीय रूप से तैयार उपस्कर) नामक उपस्कर में सुखाया जाता है मशरूम को एक बंद कमरे में लगे हुए तार के जाल से युक्त रैक में रखा जाता है तथा गर्म हवा (500 से 550 से) 7-8 घंटे तक रैक के माध्यम से गुजरती है।

मशरूम को सुखाने के बाद इसे वायुसह डिब्बे में स्टोर किया जाता है अथवा 6-8 माह के लिए पोलीबैग में सील कर दिया जाता है। पूरी तरह से सोखने के उपरांत मशरूम अपने ताजे वजन से कम होकर एक से घट कर तैरहवां भाग रह जाता है जो सुरक्षा के आधार पर अलग-अलग होता है। मशरूम को ऊष्ण जल में भिगोकर आसानी से पुन= जलित किया जा सकता है।

रोग एवं कीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) = यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

नियंत्रण =फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीट

मक्खियां =देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण = फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

कुटकी = ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण =घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

शम्बूक, घोंघा = ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण = क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

अन्य कीटाणु

5.कृन्तक = कृन्तकों का हमला ज्यादातर अल्प कीमत वाले मशरूम हाउसों पर पाया जाता है। वे अनाज की स्पॉन को खाते हैं तथा क्यूबों के अंदर छेद कर देते हैं।

नियंत्रण =मशरूम गृहों में चूहा विष चारे का इस्तेमाल करें। चूहों की बिलों को कांच के टुकडों एवं पलास्टर से बंद कर दें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अत=जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए।

जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है। मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

यूक्रेनयुद्ध- अगर रूस परमाणु हमला करेगा तो अमेरिका की टाइगर टीम लेगी निर्णय

वॉशिंगटन ।

रूस के हमलों को करीब एक महीने से झेल रहे यूक्रेन में परमाणु हथियार का उपयोग को आशंका के चलते इसके रेडियोधर्मी नतीजे नाटो देश को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में नाटो की प्रतिक्रिया शुरू हो जाएगी? यह उन कई पेचीदा सवालों में से एक है, जिनसे संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके नाटो सहयोगी निपट रहे हैं। उन्हें इस बात की आशंका है कि यूक्रेन में उलटफेर के कारण मास्को परमाणु हमले की तरफ आगे बढ़ सकता है। अमेरिका और नाटो द्वारा गुरुवार को रूस को औपचारिक चेतावनी जारी की गई है। मास्को को ऐसे किसी भी तरह के निर्णय लेने से परहेज करने के लिए आगाह किया गया है। यहां तक कि सैन्य विश्लेषकों को डर है कि युद्ध के मैदान में झटके राष्ट्रपति पुतिन को इस विकल्प पर विचार करने के लिए प्रेरित करेंगे। अमेरिकी योजनाकारों को भी इस बात की उम्मीद है कि मास्को युद्धक्षेत्र में यूक्रेन को कुचलने के लिए परमाणु हथियार का उपयोग करने के लिए मजबूर हो सकता है। आपको बता दें कि हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका ने भी बम गिराया था। रूस अगर ऐसा कोई निर्णय करता है तो इसका आकार छोटा हो सकता है। अमेरिकी मीडिया में आई खबरों के अनुसार, टाइगर टीम इस आशंका के बीच अमेरिकी प्रतिक्रिया का खाका तैयार करने के लिए सप्ताह में तीन बार बैठक कर रही है। आपको बता दें कि दोनों देशों के सैन्य नेतृत्व के बीच संचार समाप्त हो गया है। कहा जाता है कि रूसी जनरलों ने राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन को युद्ध अपराधी बताने के साथ ही दोनों देशों के बीच बातचीत अब बंद हो चुकी है। पेंटागन के अनुसार, रक्षा जनरल वालेरी गेरासिमोव के साथ फोन कॉल करने की कोशिश की है ।

चीन के रोड एंड बिल्ट प्रोजेक्ट में शामिल हुआ तालिबान, काबुल तक होगा चाइना पाक इकनॉमिक कॉरिडोर का विस्तार

काबुल ।

चीन ने बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट में अफगानिस्तान के शामिल होने का स्वागत किया है। इसके साथ ही गुरुवार को चीन के विदेश मंत्री ने ऐलान किया कि चाइना पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर का विस्तार अफगानिस्तान तक किया जाएगा। गुरुवार को सरप्राइज विजिट के तहत काबुल पहुंचे चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने यह बात कही। वांग यी ने इस दौरान अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी से राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने खनन सेक्टर और अफगानिस्तान में बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट को लेकर बात की गई। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी है। वांग यी ने कहा कि चीन की कोशिश है कि चाइना पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर को अफगानिस्तान तक ले जाया जाए और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा दिया जाए। इस दौरान चीन ने यह उम्मीद भी जताई कि अफगानिस्तान में किसी ऐसी ताकत को जगह नहीं दी जाएगी, जो पड़ोसी देश को नुकसान पहुंचा सके। माना जा रहा है कि उन्होंने उइगुर अलगाववादियों को लेकर यह बात कही। बीते साल अगस्त में अफगानिस्तान पर तालिबान ने कब्जा जमा लिया था और उसके बाद यह पहला मौका था, जब किसी बड़े देश के नेता ने काबुल का दौरा किया। खासतौर पर ऐसे समय में वांग यी ने यह दौरा किया है, जब तालिबान ने 5वीं क्लास से ऊपर की छात्राओं के स्कूल जाने पर रोक लगा दी है। चीनी विदेश मंत्री से पहले कतर और पाकिस्तान जैसे इस्लामिक देशों के नेताओं ने भी अफगानिस्तान का दौरा किया था। हालांकि चीन ने अब तक तालिबान प्रशासन को मान्यता नहीं दी है, लेकिन चाइना पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर का अफगानिस्तान तक विस्तार किए जाने का फैसला अहम है। बता दें कि भारत इस प्रोजेक्ट को लेकर विरोध जता चुका है। इसकी वजह यह है कि इसका एक हिस्सा पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर से होकर गुजरता है, जो भारत का अभिन्न अंग है। ऐसे में इस परियोजना का विस्तार भारत की चिंताओं को बढ़ाने वाला है। इससे पहले बीते साल सितंबर में पाकिस्तान ने भी अफगान सरकार से इस परियोजना के विस्तार को लेकर बात की थी।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने नाटो से की सैन्य सहायता बढ़ाने की अपील

ब्रसेल्स ।

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की आपात बैठक को संबोधित करते हुए असीमित सैन्य सहायता की अपील की। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और दूसरे देशों के नेता नाटो सदस्यों के साथ आपात बैठकें करने वाले हैं। जेलेंस्की ने नाटो के साथ पहली बैठक की है। जेलेंस्की ने वीडियो के जरिए बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे हम पश्चिमीदेशों और रूस के बीच फंसे हुए हैं और अपने साझा मूल्य की रक्षा कर रहे हैं। एक युद्ध के दौरान सबसे भयावह होता है जब हमें मदद मांगने पर स्पष्ट नहीं उत्तर नहीं मिलते। बाइडेन प्रशासन के एक अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर कहा कि जेलेंस्की ने यूक्रेन में उड़ान निषिद्ध क्षेत्र घोषित करने की मांग नहीं दोहराई जिसे नाटो पहले ही खारिज कर चुका है। पश्चिमी देशों के अधिकारियों का कहना है कि ऐसे किसी भी कदम से नाटो और रूस के बीच प्रत्यक्ष टकराव पैदा हो सकता है। बाइडन के अनुसार इससे तृतीय विश्व युद्ध छिड़ सकता है। इससे पहले, जेलेंस्की ने दुनियाभर के लोगों से सार्वजनिक रूप से एकत्रित होकर अपने संकटग्रस्त देश के प्रति एकजुटता प्रकट करने के अनुरोध किया। जेलेंस्की ने कीव में राष्ट्रपति कार्यालय के निकट गुरुवार रात रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में भावुक संदेश दिया। उन्होंने कहा, अपने घरों से बाहर निकलें और आवाज उठाएं। बताएं कि लोग मायने रखते हैं। स्वतंत्रता मायने रखती है। शांति मायने रखती है।

धरती के चारों तरफ फैलता है आवेषित कणों का रेडिएशन

इलाके में रहने से हो सकता है रेडिएशन सिकनेस या कैंसर

ह्यूस्टन ।

धरती के चहुओर रोजाना आवेषित कणों का रेडिएशन फैलता है। ज्यादा समय तक रेडिएशन वाले इलाके में रहने से रेडिएशन सिकनेस या कैंसर हो सकता है। अत्यधिक ताकतवर ऊर्जा वाली तरंगें निकलती हैं, जो शरीर के अणुओं से इलेक्ट्रॉन्स को खत्म कर सकती हैं। किस्मत अच्छी है कि हमारे ग्रह के चारों तरफ मैग्नेटोस्फेयर और एटमॉस्फेयर है। जो हमें इससे बचाता है। क्योंकि ये रेडिएशन सूरज और तारों के फटने से हमारी तरफ आते हैं, लेकिन, वायुमंडल और मैग्नेटोस्फेयर से ऊपर अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर ऐसी कोई सुरक्षा परत नहीं हैं। वहां पर अंतरिक्ष यात्री यानी एस्ट्रोनॉट्स सबसे ज्यादा रेडिएशन के शिकार होते हैं। उनके शरीर में कैंसर पनपने की आशंका ज्यादा रहती हैं। इसलिए अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने साल 1989 में एस्ट्रोनॉट्स के अंतरिक्ष में रहने की एक सीमा तय की थी।इस सीमा के तहत किसी भी एस्ट्रोनॉट को अंतरिक्ष में अपने पूरे करियर का जितना भी हिस्सा बिताना है, उतने में उसे अधिकतम कैंसर का डोज सिर्फ 3 फीसदी ही हो। जैसे- कैंसर का रिस्क इस तरह से मापा जाता है। इसमें लिंग और उम्र की भी गणना की जाती है। 30 साल की महिला एस्ट्रोनॉट के रेडिएशन का लोअर करियर लिमिट 180 मिलिसिवर्ट्स है। जबकि, 60 वर्षीय पुरुष एस्ट्रोनॉट के लिए अपर करियर लिमिट 700 मिलिसिवर्ट्स है। सवाल ये है कि महिलाओं के लिए लोअर करियर लिमिट और पुरुषों के लिए अपर करियर लिमिट क्यों? अमेरिकी एनवायरमेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी रेडिएसन प्रोटेक्श डिविजन के विशेष सरकारी कर्मचारी आर। जुलियन प्रेस्टन ने कहा कि जब महिला और पुरुष को एकसाथ उच्च स्तर के रेडिएशन में एक तय समय के लिए लाया जाता है तब महिलाओं को फेफड़े का कैंसर होने की आशंका जुलियन प्रेस्टन ने कहा कि यह गणना जापान में गिरे परमाणु बमों के बाद हुए असर पर आधारित है।

संक्षिप्त समाचार

एक लाख यूक्रेनी शरणार्थियों को शरण देगा अमेरिका

वॉशिंगटन । रूस के हमले झेल रहे यूक्रेन में नागरिकों का पलायन जारी है। अमेरिका इनकी मदद के लिए आगे आया और पलायन करने वाले 35 लाख लोगों में से एक लाख तक शरणार्थियों को अपने देश में पनाह देगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस बारे में आधिकारिक तौर पर घोषणा बृहस्पतिवार को होगी। व्हाइट हाउस पिछले कई सप्ताह से कहता रहा है कि अमेरिका यूक्रेन के शरणार्थियों का स्वागत करेगा लेकिन अधिकारियों का अनुमान है कि अधिकतर शरणार्थी यूरोप में ही रहना पसंद करेंगे। शरणार्थी एजेंसियों ने जो बाइडन प्रशासन से कुछ और कदम उठाने का आग्रह करते हुए कहा है कि अमेरिका यूक्रेन के लोगों के आगमन की प्रक्रिया को तेज करे। इससे पहले बाइडन प्रशासन ने 2022 बजट वर्ष के लिए शरणार्थियों की संख्या 1,25,000 तक सीमित करने की घोषणा की थी। डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में इस संख्या में 15,000 की कटौती की गई थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन बोले- रूस को जी-20 से बाहर करना चाहता हूं

ब्रसेल्स । यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर नाटो की आपात बैठकों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह चाहते हैं कि रूस को जी 20 समूह से बाहर कर दिया जाए। जी-20, 19देशों और यूरोपीय संघ का अंतर सरकारी मंच है जो प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर काम करता है। बाइडन ने कहा कि उन्होंने अन्य वैश्विक नेताओं के साथ मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि वह चाहेंगे कि समूह से रूस को बाहर किया जाए अगर इससे इंडोनेशिया और अन्य असहमत होंगे तो वह कहेंगे कि यूक्रेन के नेताओं को बातचीत में शामिल होने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि वह चाहेंगे कि समूह से रूस को बाहर किया जाए अगर इससे इंडोनेशिया और अन्य असहमत होंगे तो वह कहेंगे कि यूक्रेन के नेताओं को बातचीत में शामिल होने की अनुमति दी जाए। बाइडेन और पश्चिमी सहयोगियों ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाने और यूक्रेन को मानवीय सहायता देने का नया संकल्प लिया।

अस्थिरता को खत्म करने के लिए देश में जल्द चुनाव कराए जा सकते हैं - पाकिस्तान के गृहमंत्री ने कहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गृहमंत्री शेख राशिद ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ लाये गए अविश्वास प्रस्ताव से उत्पन्न मौजूदा राजनीतिक अस्थिरता को खत्म करने के लिए देश में जल्द चुनाव कराए जा सकते हैं।इमरान खान इन दिनों अपनी सरकार बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।राजधानी इस्लामाबाद में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए गृहमंत्री ने पार्टी के बागियों को चेतावनी दी कि पाला बदलना उनके लिए ठीक नहीं होगा।उल्लेखनीय है कि आठ मार्च को विपक्षी पार्टियों द्वारा नेशनल असेंबली के सचिवालय में खान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया गया था, जिसके बाद से देश में राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि खान नीत पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) की सरकार देश में आर्थिक संकट और बढ़ती महंगाई के लिए जिम्मेदार है। खान (69) गठबंधन सरकार चला रहे हैं और अगर कोई साझेदार समर्थन वापस लेने का फैसला करता है तो उन्हें हटाया जा सकता है। प्रधानमंत्री उस समय संकट में घिर गये, जब उनकी सहयोगी पार्टियों के 23 सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव के दौरान उन्हें समर्थन देने का स्पष्ट संकेत देने से मना कर दिया। जब उनकी सहयोगी पार्टियों के 23 सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव के दौरान उन्हें समर्थन देने का स्पष्ट संकेत देने से मना कर दिया। अविश्वास प्रस्ताव पर इसी महीने चर्चा होनी है।

उ कोरिया ने अपने पूर्वी तट से जापान के पास दागी मिसाइल

सियोल। उत्तर कोरिया ने गुरुवार को अपने पूर्वी तट से समुद्र की ओर एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल को दागा है। जापान के मंत्री मंत्री माकोतो ओनिकी का कहना है कि उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गिरी है। जानकारी के अनुसार इस बार बैलिस्टिक मिसाइल ने 6,000 किमी से अधिक की ऊंचाई पर उड़ान भरी है और यह अब तक का बड़ा रिकार्ड माना जाता है। दक्षिण कोरिया और जापान की सेनाओं के अनुसार यह 2017 के बाद की सबसे बड़ी मिसाइल है और उत्तरी जापान के सिर्फ 170 किमी पास दागी गई है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उसने उत्तर कोरिया से एक अज्ञात मिसाइल के प्रक्षेपण का पता लगाया है। जानकारी के अनुसार उत्तर कोरिया ने 2017 के बाद से ऐसी मिसाइलों की पूरी रेंज या क्षमता पर परीक्षण नहीं किया है। तानाशाह किम जोंग के नेतृत्व में उत्तर कोरिया ने इस साल अब तक 10 से ज्यादा मिसाइलों की टेस्टिंग की है। इसमें से एक मिसाइल का परीक्षण विफल रहा है। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया के इन ताबड़तोड़ टेस्ट से दक्षिण कोरिया और अमेरिका खासे नाखुश हैं। अमेरिका ने इसके चलते कई प्रतिबंध भी लगा दिए हैं।

9 मई तक हर हाल में यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त कर देना चाहता है रूस

कीव । यूक्रेन में रूसी हमले जारी हैं। इस बीच यूक्रेनी सेना ने दावा किया है कि मास्को 9 मई तक युद्ध समाप्त करना चाहता है। यूक्रेन के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के खुफिया सूत्रों ने दावा किया है कि रूसी सैनिकों को निर्देश दिए गए हैं कि मौजूदा युद्ध 9 मई तक हर हाल में समाप्त हो जाना चाहिए। इस तारीख को रूस में व्यापक रूप से नाजी जर्मनी पर विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस बीच, यूक्रेन ने मास्को पर अपने हजारों नागरिकों को जबरन रूस ले जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि उनमें से कुछ को बंधकों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, ताकि कीव पर युद्ध छोड़ने का दबाव डाला जा सके। यूक्रेन की लोकपाल ल्यूडमिला डेनिसोवा ने कहा 84000 बच्चों सहित 402,000 लोगों को उनकी इच्छा के विरुद्ध रूस ले जाया गया है। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और पश्चिमी सहयोगियों ने यूक्रेन के लिए नए प्रतिबंधों और मानवीय सहायता का वादा किया है। उधर, बेलारूस के एक प्रमुख नेता ने आगाह किया है कि यूक्रेन में पश्चिमी शांतिरक्षक बलों को तैनात बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने पोलैंड के पिछले सप्ताह किए गए शांति मिशन की पेशकश की ओर इशारा करते हुए ।

रूस के सहयोगी बेलारूस ने तीसरे विश्व युद्ध के लिए किया आगाह

लवीव ।

रूस के सहयोगी देश बेलारूस के एक प्रमुख नेता ने चेतावनी देते हुए कहा कि यूक्रेन में पश्चिमी शांतिरक्षक बलों को तैनात करने संबंधी पोलैंड का प्रस्ताव तीसरा विश्व युद्ध भड़का सकता है। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने पोलैंड के पिछले सप्ताह किए गए शांति मिशन की पेशकश की ओर इशारा करते हुए गुरुवार को कहा, 'इसका मतलब तीसरा विश्व युद्ध होगा।' बेलारूस रूस का सहयोगी है और उसने रूस को यूक्रेन पर आक्रमण करने के लिए अपने क्षेत्र का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है उन्होंने कहा, 'हालात बेहद गंभीर और तनावपूर्ण हैं।' उत्तरी शहर चेर्निहिव के एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने कहा है कि आबादी के लिए तबाही सामने है क्योंकि रूसी सैनिक जानबूझकर खाद्य भंडार को निशाना बना रहे हैं। उत्तरी शहर चेर्निहिव के एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने कहा है कि आबादी के लिए तबाही सामने है क्योंकि रूसी सैनिक जानबूझकर खाद्य भंडार को निशाना बना रहे हैं।

इस हफ्ते एक हवाई हमले में देसना नदी पर बना पुल नष्ट हो गया, जो यूक्रेन-नियंत्रित क्षेत्र से दक्षिण में भोजन और अन्य सहायता लाने के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग था। शहर परिषद के सचिव ओलेक्जेंडर लोमाको ने कहा, इस पुल के जरिए ही मानवीय मदद, दवाइयां और भोजन शहर में आए जाते थे। उन्होंने हालांकि दावा किया कि शहर पूरी तरह से यूक्रेनी सैनिकों के कब्जे में है।इस पुल के जरिए ही मानवीय मदद, दवाइयां और भोजन शहर में आए जाते थे। उन्होंने हालांकि दावा किया कि शहर पूरी तरह से यूक्रेनी सैनिकों के कब्जे में है।

पाक पीएम इमरान खान को मिली और राहत, बिना अविश्वास प्रस्ताव के सदन की कार्यवाही स्थगित

इस्लामाबाद ।

मुश्किलों से घिरे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को कुछ और दिनों के लिए राहत मिल गई है। शुक्रवार को पाकिस्तान की संसद में उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आना था, लेकिन उसके पहले ही सदन की कार्यवाही स्थगित हो गई है। अब 28 फरवरी को सत्र का आयोजन होगा। इसका सीधा अर्थ हुआ कि इमरान खान को अपनी सरकार बचाने के लिए तीन दिन की और मोहलत हो गई है। इस सत्र के दौरान पाकिस्तान के पीएम इमरान खान की पार्टी के नेता शाह महमूद कुरैशी, शिरीन मजारी, असद उमर और अली मुहम्मद खान भी मौजूद थे। वहीं विपक्ष की ओर से नेता शहबाज शरीफ, पीपीपी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी और आसिफ अली जरदारी भी मौजूद थे। कुरान की आयतों के साथ शुरू हुए सत्र में दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी गई और सदन की कार्यवाही को प्रस्ताव पेश किए बिना ही स्थगित कर दिया गया। गुरुवार को ही पाकिस्तानी संसद के सचिवालय की ओर से शुक्रवार के लिए 15 सूत्रीय एजेंडा जारी किया गया था। इसमें से एक अविश्वास प्रस्ताव भी था। हालांकि यह पेश नहीं हो सका। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले पीपीपी के नेता आसिफ अली जरदारी ने कहा था कि यदि आज प्रस्ताव पेश न हुआ तो हंगामा होगा। वहीं विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने कहा कि हम आज के सत्र में प्रस्ताव पेश करेंगे। यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो फिर सभी नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे। गौरतलब है कि पाकिस्तान के विपक्षी दलों की ओर से 8 मार्च को अविश्वास प्रस्ताव के लिए नोटिस दिया गया था। नियम के मुताबिक नोटिस मिलने के 14 दिनों के अंदर सत्र बुलाना होता है। इसकी आखिरी तारीख 21 मार्च ही थी, लेकिन सचिवालय ने 25 मार्च को सत्र के आयोजन का फैसला लिया। इसके बाद आज भी प्रस्ताव पेश नहीं हो पाया। गौरतलब है कि इमरान खान के पाकिस्तानी सेना से भी मतभेद की खबरें काफी समय से आती रही हैं। माना जा रहा है पाकिस्तानी सेना से भी मतभेद की खबरें काफी समय से आती रही हैं। माना जा रहा है कि विपक्ष की एकजुटता के पीछे सेना का भी हाथ है, जो उसे लगातार प्रोत्साहित कर रही है।

नार्थ कोरिया ने फिर किया बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

सियोल । नार्थ कोरिया के तानाशाह की ने शस्त्रों के परीक्षण को लेकर सनक सवार है गुरुवार को समुद्र की ओर कम से कम एक संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल दागी। समुद्र की ओर कम से कम एक संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल दागी। उत्तर कोरिया के पड़ोसी देशों की सेनाओं का कहना है कि वह जाहिर तौर पर अपनी हथियार प्रणाली की क्षमता बढ़ाना चाहता है और यह सिलसिला उसके सबसे बड़ी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का प्रक्षेपण करने के बाद ही पूरा होगा। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने तत्काल यह नहीं बताया कि प्रक्षेपण किसका किया गया या उसने कितनी दूर तक उड़ान भरी। वहीं, जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उत्तर कोरिया ने संभवतः बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया है। यह इस साल उत्तर कोरिया का 12वां प्रक्षेपण था। गत रविवार को उत्तर कोरिया ने समुद्र में संदिग्ध गोले दागे थे। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया अपने शस्त्रागार को आधुनिक बनाने के लिए तेजी से कार्रवाई कर रहा है और ठप पड़ी परमाणु निरस्त्रीकरण वार्ता के बीच अमेरिका पर रियायतें देने के लिए इसके जरिए दबाव डालना चाहता है। उत्तर कोरिया ने हाल के हफ्तों में अपने राजधानी क्षेत्र के पास से दो मध्यम-दूरी के परीक्षण किए हैं। अमेरिका पर रियायतें देने के लिए इसके जरिए दबाव डालना चाहता है। उत्तर कोरिया ने हाल के हफ्तों में अपने राजधानी क्षेत्र के पास से दो मध्यम-दूरी के परीक्षण किए हैं। अमेरिका तथा दक्षिण कोरियाई सेनाओं ने बाद में बताया था कि इसमें उत्तर कोरिया के सबसे बड़े आईसीबीएम अर्थात अन्तरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक प्रक्षेपास्त्र (ह्वासोंग-17) के घटक शामिल थे।

यूक्रेन पर मानवीय संकट को लेकर यूएन में में प्रस्ताव लाए जाने पर भारत रहा अनुपस्थित

जिनेवा ।

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन में उत्पन्न मानवीय संकट की स्थिति को लेकर पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों द्वारा लाए गए प्रस्ताव के दौरान भारत गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अनुपस्थित रहा। भारत ने कहा कि ध्यान शत्रुता समाप्त करने और तत्काल मानवीय सहायता पर केंद्रित किया जाना चाहिए और मसौदा इन चुनौतियों पर नई दिल्ली के अपेक्षित ध्यान को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करता। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगियों द्वारा मसौदा प्रस्ताव 'यूक्रेन पर आक्रमण के मानवीय परिणाम' को पारित किया, जिसमें 140 देशों ने इसके पक्ष में मतदान किया, पांच ने इसके खिलाफ मतदान किया जबकि 38 मतदान से दूर रहे। भारत प्रस्ताव से दूर रहा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने प्रस्ताव पारित होने के बाद वोट की व्याख्या में कहा, 'हम दृढ़ता से मानते हैं कि संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों को संघर्ष को कम करने में योगदान देना चाहिए, बातचीत और कूटनीति को बढ़ावा देने के लिए शत्रुता को तत्काल समाप्त करने की सुविधा प्रदान करनी चाहिए और लोगों की पीड़ा को तत्काल समाप्त करने के लिए पक्षों को एक साथ लाना चाहिए।' तिरुमूर्ति ने भारत के तत्काल युद्धविराम के लिए आह्वान को दोहराते हुए कहा, 'हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की आवश्यकता को रेखांकित करना जारी रखे हुए हैं।' भारत प्रस्ताव से दूर रहा क्योंकि अब हमें जो चाहिए वह शत्रुता की समाप्ति और तत्काल मानवीय सहायता पर ध्यान केंद्रित करना है। मसौदा प्रस्ताव इन चुनौतियों पर हमारे अपेक्षित ध्यान को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करता है। तिरुमूर्ति ने इस बात को रेखांकित किया कि भारत मौजूदा स्थिति पर गहराई से चिंतित है जो शत्रुता की शुरुआत से तेजी से बिगड़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि संघर्ष के परिणामस्वरूप नागरिकों की मौत हुई है और लगभग एक करोड़ लोग या तो आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं या पड़ोसी देशों में चले गए हैं। उन्होंने कहा, 'हमने लगातार शत्रुता को समाप्त करने का आह्वान किया है।' उन्होंने चिंता के साथ कहा कि मानवीय स्थिति लगातार खराब हो रही है, खासकर शहरी क्षेत्रों में संघर्ष वाले इलाकों में। उन्होंने कहा, 'इस संघर्ष के लंबे समय तक चलने से महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग असमान रूप से प्रभावित हैं।' तिरुमूर्ति ने इस बात पर जोर दिया कि प्रभावित आबादी की मानवीय जरूरतों को पूरा करने की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र और उसकी एजेंसियों की पहल का समर्थन करता है और आशा व्यक्त करता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय यूक्रेन के लोगों की मानवीय जरूरतों के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया देना जारी रखेगा, जिसमें महासचिव की 'अपील' और यूक्रेन क्षेत्रीय शरणार्थी प्रतिक्रिया योजना को उदार समर्थन प्रदान करना शामिल है। उन्होंने रेखांकित किया कि यह महत्वपूर्ण है कि मानवीय कार्रवाई हमेशा मानवीय सहायता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित हो, जो मानवता, तटस्थता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता है। उन्होंने कहा, 'इन उपायों का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।' तिरुमूर्ति ने महासभा को बताया कि भारत अब तक दी गई मानवीय सहायता के नौ अलग-अलग खेप के तौर पर यूक्रेन और उसके पड़ोसी देशों को दवाओं और अन्य आवश्यक राहत सामग्री सहित 90 टन से अधिक मानवीय आपूर्ति पहले ही भेज चुका है। उन्होंने कहा कि भारत आने वाले दिनों में और आपूर्ति भेजने की प्रक्रिया में है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोनिया-राहुल से भेंट के बाद नरम पड़े भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कहा- जी-23 क्या होता है उन्हें नहीं पता

नई दिल्ली ।

देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस का नेतृत्व संकट अभी बरकरार है। दूसरी ओर, केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात के बाद जी-23 खेमे के नेता माने जाने वाले भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सुर बदले-बदले दिखाई दे रहे हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने साफ कहा है कि कांग्रेस आलाकमान ने उन्हें हर जगह पूरा सम्मान देता है। कांग्रेस का जी-23 समूह क्या है, इसके बारे में उन्हें पता नहीं है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा पार्टी नेतृत्व से इस बात को लेकर चर्चा हुई है कि पार्टी को किस तरह से मजबूत बनाया जाए। इसके साथ ही कांग्रेस आलाकमान को हरियाणा के सियासी हालात के बारे में भी बताया गया। आपको बता दें कि हाल ही में भूपेंद्र सिंह हुड्डा की मुलाकात दिल्ली में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से हुई है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से मिलने के बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा चंडीगढ़ लौट आए थे। हुड्डा ने विधानसभा के बजट सत्र में भी भाग लिया और वक्त-वक्त पर अपनी पार्टी के विधायकों के साथ राजनीतिक मंत्रणा भी की। भूपेंद्र सिंह हुड्डा जिस तरह से पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति नरम हुए हैं उससे लगता तो यही है कि कांग्रेस का आलाकमान असंतुष्ट खेमे को साथ लेकर चलना चाह रहा है। आपको यह भी बता दें कि हरियाणा में हुड्डा समर्थक लगातार संगठनात्मक बदलाव की बात कर रहे हैं।

जब कैप्टन अमरिंदर सिंह को पंजाब से रवाना किया गया था, तब ये बातचीत और गतिविधियां थोड़े समय के लिए बंद हो गई थी, लेकिन एक बार फिर ये गतिविधियां तेज होती दिख रही हैं। मीडिया के सवाल करने पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा मेरी आलाकमान से उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के चुनावी नतीजों पर चर्चा हुई है। हमने हरियाणा के मसलों पर भी चर्चा की है। पार्टी को कैसे आगे बढ़ाया जाए और कैसे मजबूती से काम किया जाए इस पर भी चर्चा की गई है।

सेवानिवृत आईएएस विजय वर्धन हरियाणा के मुख्य सूचना आयुक्त बने सीएम खट्टर ने दिलाई शपथ

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शुक्रवार को रिटार्ड प्रशासनिक अधिकारी आईएएस विजय वर्धन को राज्य मुख्य सूचना आयुक्त और सेवानिवृत आईएएस श्री सत्यवीर सिंह फुलिया को राज्य सूचना आयुक्त के रूप में पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में आयोजित कार्यक्रम में दोनों सेवानिवृत आईएएस अधिकारियों ने हिंदी में शपथ ली। बता दें कि राज्यपाल ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 15 की उपधारा 3 के अधीन समिति की सिफारिश पर सेवानिवृत आईएएस श्री विजय वर्धन को राज्य मुख्य सूचना आयुक्त और सेवानिवृत आईएएस श्री सत्यवीर सिंह फुलिया को राज्य सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्ति दी है। इस मौके पर बिजली मंत्री श्री रणजीत सिंह, कृषि मंत्री श्री जयप्रकाश दलाल मौजूद रहे। इनके साथ-साथ मुख्य सचिव श्री संजीव कौशल, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री डीएस ढेसी, एसीएस श्री राजीव अरोड़ा, डॉ. सुमिता मिश्रा, श्रीमति जी. अनूपमा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री वी. उमाशंकर, प्रधान सचिव श्री विजेंद्र कुमार, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. अमित अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी व शपथ लेने वाले अधिकारियों के पारिवारिक सदस्य उपस्थित रहे।

बंगाल हिंसा पर फूट-फूट कर रोती हुई बोली रुपा गांगुली, बंगाल में लगे राष्ट्रपति शासन

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल के बीरभूम में पिछले दिनों हुई कथित हिंसा के मुद्दे पर शुक्रवार को राज्यसभा में हंगामा हुआ। जिसके बाद सदन की कार्यवाही 11 बजकर 54 मिनट पर 12 बजकर 10 मिनट तक के लिए स्थगित कर दी गई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रूपा गांगुली ने शून्य काल के तहत मुद्दे को उठाया और भावुक होकर बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने इसका जोरदार विरोध किया तब हंगामा शुरु हो गया। इस दौरान भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। हंगामे के बीच उपसभापति हरिवंश ने विशेष उल्लेख के तहत लोक महत्व से जुड़े मुद्दे उठाने के लिए बीजू जनता दल की ममता मोहंता का नाम पुकार दिया। हंगामे के बीच ही ममता ने अपना मुद्दा उठाया, लेकिन उनकी बात सुनी नहीं जा सकी। उपसभापति ने हंगामा कर रहे सदस्यों से शांत रहने की अपील की। अपनी बात का असर होते न देख उन्होंने कार्यवाही 11 बजकर 54 मिनट पर दोपहर 12 बजकर 10 मिनट तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, गांगुली ने बंगाल हिंसा के मुद्दे को उठाकर कहा कि वह पश्चिम बंगाल के बारे में जो कहना चाह रही हैं, उसकी चर्चा करने से सिर ग्लानि से झुक जाता है। उन्होंने कहा कि बीरभूम जिले में दो बच्चों सहित आठ लोगों को जलाकर मार दिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य की पुलिस पर किसी को भरोसा नहीं रह गया है। गांगुली ने कहा, झालदा में काउंसिलर मरता है।

ईडी ने जम्मू-कश्मीर में 11 स्थानों पर छापेमारी की

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने फर्जी बंदूक लाइसेंस घोटाले के सिलसिले में जम्मू-कश्मीर (जम्मू-कश्मीर) में 11 स्थानों पर छापे मारे, जिसमें गैर-हकदार व्यक्तियों को 2.78 लाख रुपये जारी किए गए थे। ईडी ने गुरुवार शाम तक छापेमारी की। ईडी सूत्रों ने कहा कि चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली की टीमों ने 11 स्थानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की, जिसमें एक सेवारत आईएएस अधिकारी और जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा (जेकेएएस) के कई अधिकारी शामिल है। जिन्होंने विभिन्न 2013 और 2016 के बीच उपायुक्तों (डीसी) और अतिरिक्त उपायुक्तों (एडीसी) के रूप में कार्य किया था। राजीव रंजन, आईएएस, पूर्व कुपवाड़ा डीसी सहित सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारियों के आवासों पर तलाशी ली गई। इसके अलावा भी कई अन्य अधिकारियों के आवास पर तलाशी ली गई। छह हथियार डीलरों के आवासों पर भी छापेमारी की गई, जहां से आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए, जिससे पता चलता है कि जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ नौकरशाह बंदूक लाइसेंस घोटाले में शामिल हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो पहले से ही मामले की जांच कर रहा है और ईडी ने इस घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग और घोटाले के अन्य वित्तीय पहलुओं की जांच के लिए ।

एक आईएएस अफसर हूं, किसी फिल्म डायरेक्टर से मिलने नहीं जाऊंगा : नियाज खान

भोपाल ।

द कश्मीर फाइल्स फिल्म को लेकर आईएएस नियाज खान और डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री के बीच शुरू हुआ विवाद जारी है। आज दोनों के बीच भोपाल में मुलाकात की तारीख तय हुई थी। जिसे लिए नियाज खान ने कहा कि मैं एक आईएएस अधिकारी हूं। मैं किसी डायरेक्टर से मिलने नहीं जाऊंगा। जिसको मेरे से मिलना है वे मंत्रालय आकर मिल सकता है।

दरअसल डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री ने नियाज खान से मिलने की इच्छा जताई थी। मुस्लिम नरसंहार पर फिल्म बनाने के नियाज खान के ट्वीट के बाद विवेक अग्निहोत्री ने मिलने का अपॉइंटमेंट मांगा था। चित्र भारती फिल्म फेस्टिवल में शामिल होने के लिए विवेक अग्निहोत्री शुक्रवार को भोपाल आए हैं। आपको बता दें कि नियाज खान पीडब्ल्यूडी में डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर पदस्थ हैं। फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' की तरह गोधरा कांड पर भी फिल्म बनाने की मांग थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बयान जारी किया था। मुस्लिम कीड़े नहीं, उनके नरसंहार पर भी फिल्म बनाई जाए ऐसा भी कहा था। गुरुवार को आईएएस नियाज खान को शिवराज सरकार ने नोटिस जारी किया है। सरकार का नोटिस मिलने के बाद नियाज खान ने फिर ट्वीट में लिखा कि आप कुरान में गहरी आस्था रखते हैं

और सभी के लिए प्यार करते हैं तो आपका दिल स्टील का बन जाता है। हमेशा न्याय के साथ खड़े रहो, ईश्वर तुम्हें शक्ति देगा। इंसान से नहीं सिर्फ भगवान से डरो अल्लाह को बहादुरी पसंद है।

राहुल से मिले प्रशांत किशोर, गुजरात विधानसभा चुनाव पर किया विचार विमर्श

नई दिल्ली ।

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के मुलाकात की। कहा जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान गुजरात में इस साल के अंत में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के चुनावी अभियान को मजबूत करने पर चर्चा हुई। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार पिछले साल दोनों के अलग के होने के बाद यह पहली मुलाकात है। राजनीतिक पार्टियों के लिए चुनावी रणनीति बनाने वाले प्रशांत किशोर और कांग्रेस के बीच पिछले साल सितंबर में बातचीत हुई थी। जिसके बाद दोनों के रास्ते अलग हो गए थे। इसके बाद कांग्रेस ने अपने चुनावी अभियानों में धार देने के लिए पीके के एक पूर्व सहयोगी के साथ समझौता किया था। वहीं प्रशांत किशोर ने ममता के चुनाव अभियान में साथ दिया था। सूत्रों का कहना है कि प्रशांत किशोर ने कांग्रेस को सिर्फ गुजरात के लिए साथ काम करने की पेशकश की है। फिलहाल कांग्रेस की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। हालांकि यह भी साफ है कि प्रशांत किशोर गुजरात चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम करने की इच्छा रखते हैं।

गंगा नदी में डूबा मालवाहक जहाज, 8-10 लोग लापता

रांची ।

झारखंड के साहिबगंज से कोलकाता के मनिहारी के बीच रात लगभग एक बजे गंगा नदी में मालवाहक जहाज डूब गया। जहाज पर पत्थर और स्टोन चिप्स लदे 14 ट्रक थे। इन ट्रकों पर सवार आठ-दस लोग हादसे के बाद लापता हैं। आशंका है कि ये लोग नदी में डूब गए हैं। हालांकि अब तक किसी की मौत की कोई पुष्टि नहीं हुई है। दुर्घटनाग्रस्त जहाज को शुक्रवार लगभग 10 बजे क्षतिग्रस्त स्थिति में साहिबगंज गंगा घाट पर लाया गया है। जहाज के चालक ने बताया है कि जहाज पर सवार किसी एक ट्रक में जोरदार धमाका हुआ। संभवतः यह धमाका ट्रक का टायर फटने से हुआ था। इसके बाद जहाज असंतुलित हुआ जिसके बाद उसपर लदे 14 में से 5 ट्रक नदी में समा गए। जहाज साहिबगंज से खुलकर मनिहारी जा रहा था। हादसे की सूचना मिलने पर साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव और एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा ने गंगा घाट पहुंचकर घटना की जानकारी ली। उपायुक्त रामनिवास यादव ने बताया कि दुर्घटना की सूचना एनडीआरएफ टीम को दी गई हैं, जल्द ही रेस्क्यू

का काम शुरू हो जायेगा। हादसे तकनीकी कारणों का पता लगाया जा रहा है। बता दें कि झारखंड के साहेबगंज, राजमहल और पाकुड़ इलाके से स्टोन चिप्स का बड़े पैमाने पर कारोबार होता है। प्रतिदिन स्टोन चिप्स लदे दर्जनों ट्रक मालवाहक जहाज के द्वारा कोलकाता और आसपास के इलाकों में भेजे जाते हैं।

बीरभूम हिंसा पर संसद में छलका रूपा गांगुली का दर्द, रोते हुए बोलीं-बंगाल अब रहने लायक नहीं रहा

नई दिल्ली ।

पश्चिम बंगाल में बीरभूम हिंसा को लेकर संसद में भाजपा सांसद रो पड़ीं। भाजपा सांसद रूपा गांगुली ने फूट-फूट कर रोते हुए कहा कि बंगाल अब रहने लायक नहीं बचा है। लोग राज्य से पलायन कर रहे हैं। भाजपा सांसद रूपा गांगुली ने बीरभूम की घटना पर राज्यसभा में कहा- हम पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग करते हैं। लोग राज्य से पलायन कर रहे हैं। भाजपा सांसद रूपा गांगुली ने बीरभूम की घटना पर राज्यसभा में कहा- हम पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग करते हैं। वहां सामूहिक हत्याएं हो रही हैं, लोग वहां से भाग रहे हैं राज्य अब रहने योग्य नहीं है। संसद से बाहर मीडिया से बात करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोग बोल नहीं सकते। सरकार हत्यारों को बचा रही है। कोई दूसरा राज्य नहीं है जहां सरकार चुनाव जीतने के बाद लोगों को मारती है। उन्होंने कहा कि हम मनुष्य हैं। हम पत्थर दिल की राजनीति नहीं करते। उल्लेखनीय है कि कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। इस घटना में मंगलवार को भीड़ ने आठ लोगों को पहले पीटा और फिर जिंदा जला दिया। इस मामले में ममता सरकार की जमकर आलोचना हो रही है। भाजपा राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। घटना के बाद ममता सरकार एसआईटी के जरिए जांच करवा रही थी, लेकिन कोर्ट ने अब यह जांच सीबीआई के हवाले कर दिया है। ममता सरकार सीबीआई के खिलाफ थी, इस मामले में ममता सरकार की जमकर आलोचना हो रही है। भाजपा राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। घटना के बाद ममता सरकार एसआईटी के जरिए जांच करवा रही थी, लेकिन कोर्ट ने अब यह जांच सीबीआई के हवाले कर दिया है। ममता सरकार सीबीआई के खिलाफ थी, हालांकि कोर्ट ने सरकार के इस अनुरोध को ठुकरा दिया। वहीं बलिया से भाजपा सांसद वीरेन्द्र सिंह ने इस घटना पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी, सांसद राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की चुप्पी पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार गुनहगारों की सरकार है और आने वाले समय में ममता बनर्जी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में छोटी-छोटी घटनाओं पर हाय तौबा मचाने वाली प्रियंका गांधी, भाजपा को बार-बार घेरने का प्रयास करने वाले राहुल गांधी और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव इस घटना पर क्यों चुप हैं, यह उन्हें जनता को बताना चाहिए।

दिल्ली नगर निगम संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली । दिल्ली नगर निगम संशोधन विधेयक, 2022 विपक्ष की आपत्तियों के बीच लोकसभा में पेश किया गया। यह विधेयक राष्ट्रीय राजधानी के तीन नगर निगमों का विलय करना चाहता है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक पेश किया, क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण के लिए उत्तर प्रदेश में हैं। इसका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी ने विरोध किया। इनका कहना है कि यह कदम भारत के संघीय ढांचे के खिलाफ है। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा, एमसीडी के एकीकरण के बाद दिल्ली की समस्याओं का समाधान होगा। हम व्यवस्थाओं को ठीक करने के लिए पैदा हुए हैं। जैसा हमने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाकर किया था, दिल्ली में भी वैसा ही करेंगे। दिल्ली के एकीकरण से दिल्ली को लाभ होगा। ये विपक्ष वही है, जिसने दिल्ली की बर्बादी की नींव रखी थी। विधेयक के अनुसार, दिल्ली में नगर निगमों के एकीकरण के बाद उनमें सीटों की संख्या 250 से अधिक नहीं होगी और जब तक विलय कानून के तहत निकाय की पहली बैठक आयोजित नहीं होती तब तक इसके कार्य की देखरेख के लिए एक विशेष अधिकारी को नियुक्त किया जा सकता है। इसमें यह भी कहा गया है कि 2011 में तत्कालीन दिल्ली नगर निगम का विभाजन क्षेत्रीय डिवीजनों और राजस्व सृजन क्षमता के मामले में असमान था। विधेयक में प्रस्ताव है कि विलय की गई निकाय में पार्षदों और अनुसूचित जाति के सदस्यों के लिए आरक्षित सीटों की कुल संख्या का निर्धारण केंद्र सरकार आधिकारिक राजपत्र में एक अधिसूचना के माध्यम से करेगी। बिल में कहा गया है, निगम की स्थापना के बाद प्रत्येक जनगणना के पूरा होने पर, सीटों की संख्या उस जनगणना में निर्धारित दिल्ली की जनसंख्या के आधार पर होगी और केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

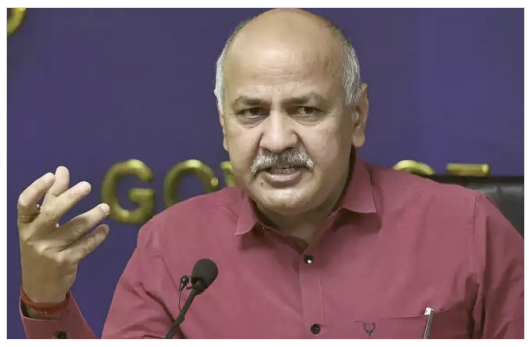

सिसोदिया बोले- दिल्ली में तीन करोड़ से अधिक महिलाएं निशुल्क यात्रा सुविधा से हुई लाभांवित

नई दिल्ली । दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को विधानसभा में बताया कि तीन करोड़ से अधिक महिलाएं राजधानी में सार्वजनिक परिवहन बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा से लाभांवित हुई। सिसोदिया दिल्ली विधानसभा में 2021-22 के परिणाम बजट (आउटकम बजट) की स्थिति रिपोर्ट पेश कर रहे थे। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल ट्रांजिट सिस्टम (डीआईएमटीएस) के तहत बेड़े में 6900 बसें हैं। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने 2019 में महिलाओं के लिए बसों में मुफ्त यात्रा योजना शुरू की थी। सिसोदिया ने कहा, 'पिछले वर्ष, सार्वजनिक परिवहन की बसों में मुफ्त यात्रा योजना के तहत तीन करोड़ से अधिक महिलाओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया।' वित्त मंत्रालय का भी प्रभार संभाल रहे उप मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग में अगस्त-दिसम्बर 2021 के बीच पांच लाख से अधिक लोगों ने 'पहचान रहित सेवाओं' का लाभ उठाया। उन्होंने एक अन्य जानकारी में बताया कि दिल्ली में खरीदे जा रहे वाहनों में से करीब 10 प्रतिशत वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन हैं।

यूपी के मदरसों में राष्ट्रगान अनिवार्य, 14 से 27 मई के बीच होंगें मुंशी, मौलवी, आलिम, कामिल व फाजिल के पेपर

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मदरसों में अब राष्ट्रगान अनिवार्य कर दिया गया है। इसी बीच सभी मदरसों में पढ़ाई शुरू करने से पहले अन्य दुआओं के साथ छात्र-छात्राओं को राष्ट्रगान गाना होगा। इसका फैसला उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद ने गुरूवार को लिया है। मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद जावेद की अध्यक्षता में बैठक की गई और यह फैसला लिया गया। इस बैठक में मुंशी, मौलवी, आलिम, कामिल और फाजिल के पेपर 14 से लेकर 27 मई के बीच होगें। स्कूलों की गर्मी की छुट्टी और यूपी बोर्ड की परिक्षाओं की एग्जाम कॉपी के रिजल्ट के कारण कॉलेज खाली नहीं होंगे जिसको देखते हुए मदरसा बोर्ड की परिक्षाएं मदरसों में ही होगी। मदरसा बोर्ड की परिक्षाएं 6 प्रश्न पत्रों के साथ होगी। इसमें हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के प्रश्ने पत्र होंगे। बोर्ड एग्जाम बिना किसी चिटिंग के हो उसको देखते हुए मदरसों में बायोमेट्रिक सिस्टम लगाया जाएगा।

पति को पेड़ से बांधकर पत्नी के साथ सामूहिक दुष्कर्म, दो नाबालिग सहित 10 लोगों को गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर । मुजफ्फरनगर जिले में नई मंडी थाना क्षेत्र के गांव में व्यक्ति को पेड़ से बांधकर उसकी पत्नी के साथ चार लोगों द्वारा कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दो नाबालिग सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक (नगर) अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कर दो नाबालिग सहित दस आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज की हैं, कि गत दिवस वह पति के साथ अपने मायके से अपनी ससुराल लौट रही थी, तभी दस लोगों ने रास्ते में उन्हें रोककर उन्हें आम के बगीचे के पास ले गए। पीड़िता का आरोप है कि बगीचे में उसके पति को पेड़ से छह लोगों ने बांधा और चार लोगों ने उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। विजयवर्गीय ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर इस संबंध में दस लोगों को गिरफ्तार किया है। एसएचओ पंकज पंत के मुताबिक पीड़िता का बयान मजिस्ट्रेट के समक्ष जल्द दर्ज कराया जाएगा।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टी. बशीर का केरल में निधन

तिरुवनंतपुरम । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक तथा सांसद रहे टी. बशीर का 79 वर्ष की उम्र में शुक्रवार को निधन हो गया। उनके पारिवारिक सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। पार्टी के वरिष्ठ नेता ने कहा,वेम्बायम स्थित अपने आवास पर बशीर ने सुबह अंतिम श्वांस ली। बशीर, पिछले पांच साल से दिल की बीमारी जूझ रहे थे। उन्हें चिरयांकीझु निर्वाचन क्षेत्र से दो बार लोकसभा के लिए चुना गया था। वह दो बार राज्यसभा के भी सदस्य रहे। बशीर काझाक्कूटम निर्वाचन क्षेत्र से 1977 में विधायक निर्वाचित हुए थे, लेकिन बाद में उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेता ए के एंटनी के लिए सीट छोड़ दी थी। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बशीर के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा, बशीर जनता को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर हस्तक्षेप करते थे और समाज के हित के लिए काम करते थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भी बशीर के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनके पार्थिव शरीर को केरल प्रदेश कांग्रेस समिति कार्यालय में रखा जाएगा, ताकि लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें। बाद में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

बिहार के हाजीपुर में होटल पर फायरिंग, ग्राहक सहित 2 की मौत

हाजीपुर । बिहार के वैशाली जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र में अपराधियों ने होटल पर गोलीबारी कर दी, जिसमे होटल मालिक सहित दो लोगों की मौत हो गई। फिलहाल घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 22 के चौरसिया चौक के समीप बसंत विहार लाइन होटल पर देर शाम अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। घटना में गोली लगने से एक परिवार के चालक और होटल मालिक के भाई की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान सुल्तानपुर निवासी लाला राय और होटल काउंटर पर बैठे होटल मालिक के भाई विवेक उर्फ पेंटर के रूप में की गई है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया, लेकिन पुलिस अधिकारियों के समझाने के बाद सड़क से हट गए। उन्होंने बताया कि घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। लेकिन पुलिस अधिकारियों के समझाने के बाद सड़क से हट गए। उन्होंने बताया कि घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अपराधी बाइक पर सवार होकर आए और घटना को अंजाम देकर भाग निकले। सूत्रों का कहना है कि मामला होटल मालिक से किसी बात को लेकर विवाद का सामने आ रहा है। अपराधी होटल मालिक को निशाना बनाने आए थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

ईश्वर की शपथ लेकर.....

यूपी में योगी सरकार 2.0 की शुरुआत

केशव प्रसाद और ब्रजेश पाठक बने डिप्टी सीएम

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लखनऊ ,भाजपा के फायर ब्रांड नेता और पूर्व सीएम योगी आदित्यनाथ फिर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की कमान संभाल ली हैं। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने योगी को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। सीएम योगी के बाद केशव प्रसाद और ब्रजेश पाठक ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। इससे पहले लोकभवन में योगी आदित्यनाथ को भारतीय जनता पार्टी विधायकों की बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुना गया। इस मौके पर पर्यवेक्षक के तौर पर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास मौजूद रहे। भाजपा विधायक दल की बैठक में सुरेश कुमार खन्ना ने योगी के नाम का प्रस्ताव रखा जिस पर सभी विधायकों ने सहमति दे दी। उन्हें विधायक दल का नेता चुनने का प्रस्ताव नवीं बार विधायक चुने गए सुरेश खन्ना ने रखा। इसका अनुमोदन सूर्य प्रताप शाही, बेबी रानी मौर्य, रामनरेश अग्निहोत्री, सुशील शाक्य, नंदगोपाल नंदी ने किया।

योगी 2.0 में पांच महिलाओं को मिला मंत्री पद

लखनऊ,योगी 2.0 कैबिनेट में 52 मंत्रियों में पांच महिलाएं शामिल हुई हैं। उत्तराखण्ड की राज्यपाल रह चुकीं बेबी रानी मौर्य को कैबिनेट और गुलाब देवी को राज्यमंत्री बनाया गया है। इसके अलावा प्रतिभा शुक्ला, रजनी तिवारी, विजय लक्ष्मी गौतम को भी मंत्री पद दिया गया है। वहीं, दूसरी तरफ सबसे ज्यादा चर्चा में रहीं कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आई अदिति सिंह और मुलायम सिंह की छोटी बहू अपर्णा को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है।

साल 2017 में जब भाजपा सत्ता में लौटी थी तब 56 मंत्रियों में पांच महिलाओं को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। इसमें एक कैबिनेट, दो राज्य मंत्री, दो राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) थीं। इस बार मंत्री बनायीं गयीं बेबी रानी मौर्य ने आगरा दक्षिण की सीट से विधानसभा चुनाव जीता है। वह आगरा की मेयर भी रह चुकी हैं। बेबी रानी उसी जाटव जाति से आती हैं, जो मायावती की है। ऐसे में बसपा के कमजोर होने से दलित वोट बैंक को भाजपा के पक्ष में करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। वहीं रजनी तिवारी ने हरदोई जिले की शाहाबाद सीट से चुनाव जीता है। उनके पति उपेंद्र तिवारी 2007 में बसपा के टिकट पर बिलग्राम विधानसभा सीट से पहली बार विधायक चुने गए थे। उपेंद्र के निधन के बाद रजनी राजनीति में आईं। 2008 में बिलग्राम विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में बसपा ने रजनी तिवारी को मैदान में उतारा। वो चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचने में सफल रहीं थी।

जबकि विजय लक्ष्मी गौतम देवरिया की सुरक्षित सलेमपुर सीट से विधायक चुनी गईं हैं। भाजपा ने सीटिंग विधायक का टिकट काटकर विजय लक्ष्मी को दिया था। गौतम कुछ दिन पहले ही सपा छोड़ भाजपा में शामिल हुई हैं। वह दलित चेहरा हैं। वहीं प्रतिभा शुक्ला कानपुर देहात की अकबरपुर-रनिया सीट से विधायक बनीं हैं। उनके पति अनिल शुक्ला वारसी हैं। वह बसपा के पूर्व सांसद रहे हैं। प्रतिभा तीसरी बार विधायक बनी हैं। पहली बार बसपा से विधायक बनी थीं। वहीं गुलाब देवी संभल की चंदौसी सीट से चुनाव जीता है। वह 5वीं बार विधायक बनी है। दो बार राज्यमंत्री रह चुकी हैं

मुख्यमंत्री-योगी आदित्यनाथ

डिप्टी सीएम-केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक

कैबिनेट मंत्री : सूर्य प्रताप शाही, सुरेश कुमार खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, बेबी रानी मौर्य, लक्ष्मी नारायण चौधरी, जयवीर सिंह, धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, भूपेंद्र सिंह चौधरी, अनिल राजभर, जितिन प्रसाद, राकेश सचान, अरविंद कुमार शर्मा, योगेंद्र उपाध्याय, आशीष पटेल, संजय निषाद

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) : नितिन अग्रवाल, कपिलदेव अग्रवाल, रवीन्द्र जायसवाल, संदीप सिंह, गुलाब देवी, गिरीश चंद्र यादव, धर्मवीर प्रजापति, असीम अरुण, जेपीएस राठौर, दयाशंकर सिंह, नरेंद्र कश्यप, दिनेश प्रताप सिंह, अरुण कुमार सक्सेना, दयाशंकर मिश्र दयालु

राज्य मंत्री : मयंकेश्वर सिंह, दिनेश खटिक, संजीव गौड़, बलदेव सिंह ओलख, अजीत पाल, जसवंत सैनी, रामकेश निषाद, मनोहर लाल मन्नू कोरी, संजय गंगवार, बृजेश सिंह, केपी मलिक, सुरेश राही, सोमेंद्र तोमर, अनूप प्रधान, प्रतिभा शुक्ला, राकेश राठौर, रजनी तिवारी, सतीश शर्मा, दानिश आजाद अंसारी, विजय लक्ष्मी गौतम

वहीं योगी सरकार २.० में दिनेश शर्मा, सतीश महाना,आशुतोष टंडन, श्रीकांत शर्मा, सिद्धार्थनाथ सिंह, महेंद्र सिंह, रामनरेश अग्निहोत्री,जय प्रताप सिंह, नीलकंठ तिवारी नीलिमा कटियार,अशोक कटरिया, श्रीराम चौहान, जय प्रकाश निषाद,जय कुमार सिंह जैकी, अतुल गर्ग, मोहसिन रजा, अनिल शर्मा, महेश चंद्र गुप्ता,डा.जीएस धर्मेश, लाखन सिंह राजपूत, चौधरी उदय भान सिंह, रमाशंकर सिंह पटेल, अजित पटेल की छुट्टी हो गई।

योगी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेताओं के साथ सामूहिक फोटो खिंचवाई। इसके साथ ही मोदी ने शपथ ग्रहण समारोह में आए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम, योगी-मोदी जिंदाबाद के नारे लगे।